04 - अम्बेडकर एवं संविधान पर विवाद के अर्थ

05 - हमारे समय की हक़ीक़त है बज़्म-ए-हयात

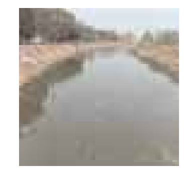
06 - नहरों की होगी मरम्मत, विभाग ने प्रस्ताव शासन को भेजा

07 - भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने खरीदें स्वदेशी उत्पाद...

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 17 अक्टूबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 356, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बिहार चुनाव : पीके के चुनाव नहीं लड़ने के क्या हैं मायने?

नीलम पाण्डेय

जनसुराज पार्टी की युवा इकाई के उपाध्यक्ष चंचल सिंह को राघोपुर से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ टिकट दिया गया है। इसी सीट से प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने की चर्चा थी।

कई दिनों की अटकलों के बाद जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक प्रशांत किशोर ने ऐलान किया है कि वे बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। इस तरह उनके चुनाव लड़ने को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लग गया है। पटना में मीडिया से बात करते हुए पीके ने कहा कि पार्टी के सदस्यों ने तय किया कि उन्हें बाकी उम्मीदवारों की जीत के लिए काम पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जन सुराज पार्टी ने राघोपुर विधानसभा सीट से चंचल सिंह को उम्मीदवार घोषित किया। यह आरजेडी का गढ़ है और इसी सीट से प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही थी। 11 अक्टूबर को पीके ने राघोपुर में रोड शो भी किया था। यह सीट फिलहाल आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के पास है।

जेपीएस युवा इकाई के उपाध्यक्ष चंचल सिंह होटल और रियल एस्टेट के कारोबार में हैं। वे पहले जेडीयू के बिज़नेस सेल के राज्य महासचिव रह चुके हैं। जनसुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने बताया कि इस फैसले से पहले राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा, 'प्रशांत किशोर ने संकेत दिया था कि वे चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन मैं इसके पक्ष में नहीं था और इसके कई कारण हैं।'

उदय सिंह ने बताया कि पारंपरिक पार्टियों के विपरीत, जन सुराज पार्टी में प्रशांत किशोर ही एकमात्र स्टार प्रचारक हैं। इसलिए हर उम्मीदवार चाहता है कि वे उसके लिए प्रचार करें। चुनाव सलाहकार से नेता बने पीके अपनी पार्टी को 'तीसरा विकल्प' के रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर 'साफ-सुथरी' सरकार चुनने की अपील की है।

बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे – पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा 11 नवंबर को होगा। इस बार मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा है – एक ओर एनडीए, दूसरी ओर इंडिया गठबंधन और तीसरी ओर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी सत्ता में आने की कोशिश में हैं। जन सुराज पार्टी के लिए यह पहली बड़ी चुनावी परीक्षा होगी। प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के लिए आक्रामक तरीके से प्रचार कर रहे हैं और सत्ताधारी बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

उदय सिंह ने कहा कि बिहार की तुलना दिल्ली से नहीं की जा सकती, जहां आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को सीधी टक्कर देने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, 'बिहार का भूगोल और उसका आकार बिल्कुल अलग है। पीके की मौजूदगी पर जो जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलती है, उसका फायदा हर उम्मीदवार उठाना चाहता है।'

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया, बिहार चुनाव से पहले जनसुराज को प्रचार के लिए बहुत कम वक्त मिला है क्योंकि अक्टूबर में दिवाली और छठ जैसे बड़े त्योहार हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि जनसुराज का मानना था कि अगर किशोर चुनाव लड़ते, तो उन्हें अपनी सीट पर ज़्यादा समय देना पड़ता। उन्होंने कहा, 'हम अपने क्षेत्र के लोगों के साथ नाइंसाफी नहीं कर सकते। अगर पार्टी ने तय किया होता कि वे चुनाव लड़ें, तो हम चाहते कि वे उस क्षेत्र में समय दें, वरना यह मतदाताओं के साथ ठीक नहीं होता।'

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) के फेलो राहुल वर्मा ने कहा कि इस समय यह तय कर पाना मुश्किल है कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी का वास्तविक असर क्या होगा। उन्होंने कहा, 'असल सवाल यह है कि जन सुराज पार्टी किस तरह का असर डाल सकती है। कुछ अनुमान है कि पार्टी को 5 से 7 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं, लेकिन यह इतना नहीं होगा कि कोई बड़ा राजनीतिक उलटफेर हो सके। फिर भी, कुछ लोगों का मानना है कि यह तय करने में पार्टी की भूमिका अहम हो सकती है कि किस गठबंधन को बढ़त मिले।' एक पहले इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने कहा था कि उनकी पार्टी या तो 'अर्श' पर होगी या 'फर्श' पर – यानी या तो सरकार बनाएगी या फिर बिल्कुल सत्ता से बाहर रहेगी।

वर्मा ने कहा कि जेएसपी का असली असर अभी तय नहीं है। अगर पीके किसी प्रमुख सीट से चुनाव लड़ते, तो उनकी उम्मीदवारी प्रचार के दौरान बड़ा मुद्दा बन सकती थी, लेकिन इससे विपक्षी दल जनसुराज को एनडीए की 'बी टीम' कहने लगते। उन्होंने कहा, 'इन जोखिमों को देखते हुए यह समझ में आता है कि उन्होंने ऐसा माहौल बनने से बचना चाहा।' वर्मा ने यह भी कहा कि पीके अपनी पार्टी का सबसे पहचानने योग्य चेहरा हैं। इसलिए रणनीतिक रूप से उनके लिए अपनी सीट पर फोकस करने के बजाय बाकी इलाकों में जाकर पार्टी की मौजूदगी मजबूत करना ज्यादा समझदारी भरा कदम है। उन्होंने कहा, 'अगर वे खुद चुनाव लड़ते, तो उन्हें अपना ध्यान स्थानीय स्तर पर केंद्रित करना पड़ता। इन सभी बातों को देखते हुए, उनका फैसला समझदारी भरा लगता है।'

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक बद्री नारायण का मानना है कि किशोर को चुनाव लड़ना चाहिए था ताकि वे एक बड़ा संदेश दे सकें– न सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं को, बल्कि मतदाताओं को भी। उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र में चुनाव लड़ना बहुत अहम बात है। वे चुनाव में उतरकर बड़ा संदेश दे सकते थे।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

शोर यूँ ही न परिंदों
ने मचाया होगा
कोई जंगल की तरफ़
शहर से आया होगा
पेड़ के काटने वालों
को ये मालूम तो था
जिस्म जल जाएँगे जब
सर पे न साया होगा
बानी–ए–जश्न–ए–बहाराँ
ने ये सोचा भी नहीं
किस ने काँटों को
लहू अपना पिलाया होगा
बिजली के तार पे
बैठा हुआ हँसता पंछी
सोचता है कि वो
जंगल तो पराया होगा
अपने जंगल से जो
घबरा के उड़े थे प्यासे
हर सराब उन को समुंदर
नज़र आया होगा।

–कैफ़ी आज़मी

21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की होगी

● पीएम मोदी बोले-वजह है आत्मनिर्भर भारत का विजन

आज दुनिया हमें मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही

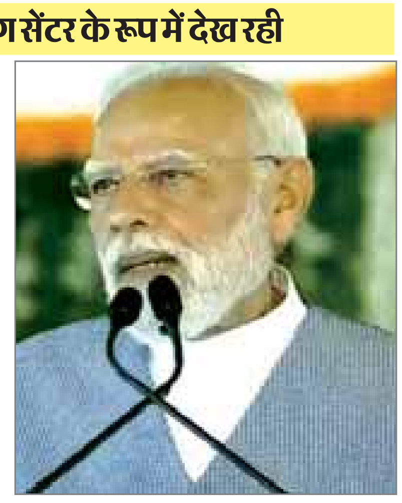

नंदयाल/कुर्नूल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के कुर्नूल में 13,430 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे तब भारत 'विकसित भारत' बन चुका होगा। मैं दावे से कहता हूं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की,140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी होने वाली है। आज दुनिया, भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है, आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। इसके पहले मोदी नांदयाल पहुंचे। मोदी ने यहां श्रीशैलम में भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में दर्शन,पूजा और ध्यान किया। ये मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों और 52 शक्तिपीठों में शामिल है। यह एकमात्र मंदिर है, जहां ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ दोनों है। इसके बाद पीएम मोदी श्रीशैलम में श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना की।

आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत की नई ताकत बन रहा

आंध्र प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत की सफलता का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। कांग्रेस सरकारों ने आंध्र प्रदेश की क्षमताओं की उपेक्षा करके पूरे देश को नुकसान पहुंचाया है। जो राज्य पूरे देश को आगे बढ़ा सकता था, वह खुद अपने विकास के लिए संघर्ष कर रहा है। मुझे खुशी है कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में आंध्र प्रदेश की छवि बदली है। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में, आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत की एक नई ताकत बन रहा है। मोदी ने कहा कि नया इंटरनेशनल सब–सी गेटवे बनाया जाएगा। इसमें कई अंतर्राष्ट्रीय सब–सी केबल शामिल होंगे, जो भारत के पूर्वी तट पर विशाखापट्टनम तक पहुंचेंगे। यह परियोजना विशाखापट्टनम को एआई और कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। यह न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया की सेवा करेगा। मैं इसके लिए आंध्र प्रदेश के लोगों को विशेष बधाई देता हूं और चंद्रबाबू नायडू की दूरदर्शिता की सराहना करता हूं। मेरा सौभाग्य है कि मेरा जन्म दादा सोमनाथ की धरती गुजरात में हुआ।

हमारा ध्यान कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर

विकसित भारत के लक्ष्य को तेज़ी से प्राप्त करने के लिए, देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गांवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर है। हमारी सरकार का विजन है, सिटिजन सेंट्रिक डेवलपमेंट। हम लगातार नए रिफॉर्म के जरिए नागरिकों के जीवन को आसान बना रहे हैं। देश में 12 लाख रुपए तक की आय पूरी तरह टैक्स फ्री हो चुकी हैं। सस्ती दवाइयां, सस्ता इलाज, बुजुर्गों के लिए आयुष्मान जैसी अनगिनत सुविधाओं से इज ऑफ लिविंग का नया अध्याय शुरू हुआ है। आंध्र प्रदेश में मैन्यूफैक्चरिंग में तेजी से बढ़ रहा है। निम्मलुरु में एडवांस्ड नाइट विजन फ़ैक्ट्री का उद्घाटन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक और कदम है। यह फैक्टरी भारत की नाइट विजन डिवाइस, मिसाइल सेंसर और ड्रोन गार्ड सिस्टम बनाने की क्षमता को बढ़ाएगी। यहां बने उपकरण भारत के रक्षा निर्यात को भी बढ़ाएंगे, और हम ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय उत्पादों की ताकत देख चुके हैं।

गुजरात में भूपेंद्र सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा

● आज 11.30 बजे नई कैबिनेट की शपथ,8 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात सरकार के सभी मंत्रियों ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया है। सीएम भूपेंद्र पटेल कुछ देर में राज्यपाल को मंत्रियों का इस्तीफा सौंपेंगे। कल गांधीनगर में सुबह 11.30 बजे नई कैबिनेट का शपथ समारोह होगा। सरकार के 16 में से 8 मंत्रियों के बदले जाने की संभावना है। गुजरात की मौजूदा कैबिनेट में सीएम पटेल समेत 17 मंत्री हैं। जिसमें आठ कैबिनेट रैंक के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री हैं। सभी भाजपा विधायकों और मंत्रियों को 2 दिन तक गांधीनगर में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिन विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिलनी है, उन्हें फोन कर सूचना दे दी गई है। शपथ समारोह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा की उपस्थिति में होगा।

● **कई मंत्रियों के कामकाज से आलाकमान संतुष्ट नहीं–** राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मौजूदा सरकार के ज्यादातर मंत्री भाजपा आलाकमान की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। इसके अलावा, हाल ही में हुए विसावदर विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समेत ज्यादातर नेता एएपी के गोपाल इटालिया को हराने के लिए विसावदर गए थे। इसके बाद भी विसावदर सीट नहीं जीत पाए। मंत्रिमंडल के विस्तार में इसका भी असर दिखाई देगा। राजनीतिक चर्चा है कि 2027 में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने विसावदर सीट जीतकर भाजपा को चिंता में डाल दिया है। इसलिए भाजपा भी अब कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती।

मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन से दोगुनी होगी पशुपालक किसानों की आय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गो-माता और गो-पालन का हमारी सनातन संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। जो गो-पालन करता है वह गोपाल है और जहां गो-पालन होता है वह घर गोकुल है। गो-संरक्षण एवं संवर्धन सरकार की उच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए सरकार समाज के सहयोग से निरंतर कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालक किसानों की आय को दोगुना किया जाएगा। मध्यप्रदेश अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ गो-वंश से समृद्ध राज्य है। देश के दुग्ध उत्पादन का लगभग 9प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है। हमारी सरकार का लक्ष्य है इसे 20 प्रतिशत तक ले जाना। इसके लिए प्रदेश के गांव-गांव में दुग्ध समृद्धि संपर्क चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पशु चिकित्सक घर-घर जाकर पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न आधुनिक तरीकों, पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पशु पोषण आदि के संबंध में जानकारी दे रहे हैं। प्रदेश में वर्ष 2024-25 को गो-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया गया।

हर जिले में मनाया जाएगा गोवर्धन पर्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 21 अक्टूबर को गोवर्धन पर्व लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाए। आयोजन में गौशालाओं तथा पशुपालकों को विशेष रूप से सहभागी बनाया जाए। साथ ही गोवर्धन पर्व पर पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां दर्ज करने और नवाचार करने वाले उद्यमियों को सम्मानित भी किया जाएगा। प्रदेश की गौ-शालाओं में गोवर्धन पर्व का सामुदायिक आयोजन होगा। गोवर्धन पर्व का मुख्य आयोजन रवीन्द्र भवन भोपाल में किया जाएगा, जिसमें गोवर्धन पूजन, परिक्रमा, अन्नकूट भोग मुख्य होगा। इस अवसर पर पशुचारक समुदायों की कला, बरेदी और ठाट्या नृत्य आदि का प्रस्तुतीकरण होगा। कार्यक्रम में जैविक उत्पादक, दुग्ध उत्पाद, गोबर आधारित शिल्प के स्टॉल लगाए जाएंगे, साथ ही पशुपालन, कृषि, सहकारिता विभाग की योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष व्यवस्था होगी। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका के लिए दुग्ध उत्पादन और वृंदावन ग्राम योजना के विस्तार के लिए भी गतिविधियों का संचालन होगा। गोवर्धन पर्व पर सभी जिलों में गतिविधियां संचालित की जाएंगी। आंगनवाड़ी केंद्रों में पंचगव्य उत्पाद जैसे घी, दूध, पनीर और दही से बनी सामग्री का वितरण किया जाएगा।

ब्रिक्स पर तेवर दिखा रहा था अमेरिका, भारत ने दिया झटका

अब 'दुश्मन देश' को ऑफर मिलने से और तिलमिलाएंगे ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को लेकर इतने तिलमिलाए हुए हैं कि उन्होंने इसे नष्ट करने तक का दावा करना शुरू कर दिया है। जबकि, उन्हें पता है कि 20 देशों के ब्रिक्स संगठन की अध्यक्षता 1 जनवरी, 2026 से भारत को मिलने वाली है। ब्रिक्स को नाकाम कर देने की ट्रंप की शेखी बघारने के बाद भारत ने ब्राजील को आकाश मिसाइल सिस्टम देने का प्रस्ताव देकर उन्हें जोर का झटका दे दिया है। बता दें कि ब्राजील ट्रंप की हरकतों से इतना नाराज है कि वहां के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने उनसे सारे संबंध तोड़ लेने तक की बात कह चुके हैं। ब्राजील, रूस, भारत और चीन ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य हैं। आज इसमें कुल 20 सदस्य हो चुके हैं। ब्रिक्स देशों का

एक एजेंडा अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाशना रहा है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के सुप्रीमो ट्रंप को यह बात बहुत बुरी लगती रही है। उन्होंने पिछले कुछ महीने में जो टैरिफ को हथियार बनाकर दागना शुरू किया है, वह पिछले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद से ही देखने को मिला है। उन्होंने इसका सबसे बड़ा शिकार सबसे पहले भारत और ब्राजील को ही बनाया, जिस पर 50 प्रतिशत का टैरिफ थोप दिया। बाद में चीन पर तो रही-सही पूरी खुन्नस निकाल दी।

ब्राजील को दिया आकाश मिसाइल का ऑफर

ट्रंप के दावों के अगले ही दिन भारत ने ब्राजील को आकाश मिसाइल सिस्टम देने की इच्छा जता दी। पिछले महीने ही ट्रंप के कट्टर आलोचक और यहां के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा था, उनका ट्रंप के साथ संवाद पूरी तरह से टूट चुका है और अब उनका उनसे कोई रिश्ता नहीं रह गया है। भारत ने ब्राजील को यह ऑफर दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और बेहतर करने को लेकर हुई बातचीत के दौरान दिया है। बुधवार को ही ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुलाकात की है। इस दौरान ब्राजील में राजनाथ सिंह के समकक्ष जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो भी मौजूद थे। आकाश मिसाइल सिस्टम भारत का स्वदेशी मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम है, जिसकी डिजाइन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बनाई है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30°c
न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

एक बॉर्डर पर तालिबान तो दूसरे पर भारत का घेरा

● टू फ्रंट वॉर में फंसे पाकिस्तान को सता रहा ऑपरेशन का डर

रक्षा मंत्री खुद बोले-ऑपरेशन सिंदूर 2.0 कर सकता है भारत

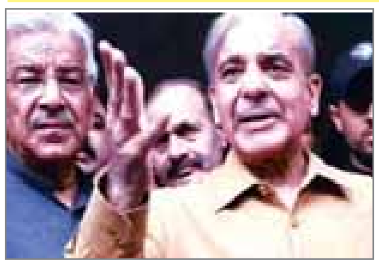

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी मीडिया को भारत के हमले का डर सता रहा है। पाक मीडिया को लगता है कि अफगानिस्तान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच भारत भी अटैक कर सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इससे इनकार नहीं किया है। आसिफ का कहना है कि भारत की ओर से हमला हो सकता है। हमें ऐसी किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने की जरूरत है। आसिफ ने कहा कि हम इस तरह के हमले की संभावना को देखते हुए अपनी तैयारी भी कर रहे हैं। समा टीवी ने अपने एक प्रोग्राम में एंकर ने कहा कि पाक आर्मी दो मोर्चों पर युद्ध लड़ रही है। पश्चिमी सीमा (अफगान बॉर्डर) पर गंभीर झड़पें हुई हैं। वहीं पूर्व में भारत भी ऑपरेशन सिंदूर का दूसरे चरण कर सकता है। पाक मीडिया ने कहा कि भारत का हमला कभी भी हो सकता है।

रंगे हाथों घूस लेते पंजाब पुलिस के डीआईजी हो गए गिरफ्तार

● सीबीआई ने ट्रैप लगाकर दबोचा, फंस गए हरचरण भुल्लर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार और एएसआई संदीप कुमार लाठर की सुसाइड से मचे बवाल के बीच अब पड़ोसी राज्य पंजाब से बड़ी खबर आ रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने रोपड़ रेंज के डीआईजी और भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हरचरण सिंह भुल्लर को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उन्हें कहां से गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें मोहाली से गिरफ्तार किया गया है। मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी से जुड़े मामले में यह कार्यवाही हुई है। कारोबारी की तरफ से उनके खिलाफ शिकायत दी गई थी, जिसके बाद सीबीआई ने ट्रैप लगाकर उन्हें दबोचा। इससे पंजाब पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सीबीआई जल्द ही डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को स्पेशल कोर्ट में पेश कर सकती है। डीआईजी रोपड़ रेंज हरचरण भुल्लर पर एक मामले में राहत देने के एवज में पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। सीबीआई ने यह कार्रवाई पूरी गोपनीयता के साथ की। जैसे ही डीआईजी ने रिश्वत की रकम पकड़ी, टीम ने मौके पर ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

हमारी प्राथमिकता देश के लोग, कुछ और नहीं

ट्रंप के तेल के दावों पर भारत सरकार की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दावा किया गया था कि भारत ने रूस से तेल की खरीद रोक दी है। इस पर भारत सरकार की ओर से दोटूक जवाब दिया गया है कि हमारी प्राथमिकता देशवासियों का हित है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत बड़े पैमाने पर गैस और तेल का आयात करता है। हमारी लगातार यही प्राथमिकता रही है कि उथल-पुथल भरे बाजार में भारतीय उपभोक्ताओं को हितों को साधा जाए। हमारी इंपोर्ट की पॉलिसी पूरी तरह इसी उद्देश्य पर आधारित है। हम किसी अन्य कारक से प्रभावित होकर फैसले नहीं लेते। भारत सरकार का यह जवाब डोनाल्ड ट्रंप की उस बात पर आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद बंद हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,हम बाजार की स्थिति को देखते हुए अलग-अलग देशों से डील करते हैं। अमेरिका की बात है तो हमने उसके साथ भी खरीद की है।

तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के बीच नहीं थम रहा विवाद

● सुप्रीम कोर्ट पहुंचा शारीरिक शिक्षा और खेल विवि संशोधन विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में सरकार और राज्यपाल के बीच चल रहा विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। राज्य सरकार ने राज्यपाल के उस अवैध और असंवैधानिक फैसले को चुनौती दी, जिसमें उन्होंने तमिलनाडु

शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 को राष्ट्रपति की स्वीकृति देने के बजाय उसे राष्ट्रपति के पास भेजने का फैसला किया था। दरअसल, मुख्य सचिव के माध्यम से दायर राज्य की रिट याचिका में राज्यपाल, भारत संघ और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिका में यह मांग की गई है कि विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखने का राज्यपाल का कार्य स्पष्ट रूप से असंवैधानिक, संविधान के अनुच्छेद 163(1) और 200 का उल्लंघन करने वाला है।

प्रधानमंत्री की मौजूदगी में भोपाल की बेटियाँ देंगी बैंड की प्रस्तुति

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में होगी प्रस्तुति

भोपाल (नप्र)। भोपाल की बेटियाँ राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर 2025 को गुजरात के एकता नगर (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) परिसर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मध्यप्रदेश का मान बढ़ाएंगी।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित बैंड प्रतियोगिता में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट ईदगाह हिल्स स्कूल भोपाल की बालिका टीम ने राज्य में प्रथम स्थान हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए देश में दूसरा स्थान हासिल किया था। उसी टीम को केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में 31 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए चुना है। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय बैंड प्रतियोगिता में शामिल दो टीमों को आमंत्रित किया है। बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान हासिल करने वाले भोपाल के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल और बालक वर्ग में देश में पहला स्थान हासिल करने वाली राजस्थान की टीम शामिल है। यह दोनों टीमें संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह की मौजूदगी में होने वाले कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगी।

यह कार्यक्रम लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश की बैंड टीम राज्य पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, अन्य सुरक्षा बल और एनसीसी की टीमों के साथ मंच साझा करेगी।

बैंड में शामिल 30 बालिकाओं की टीम उनके प्रशिक्षक श्री रसिक नागर पांडेय के साथ 23 अक्टूबर को गुजरात के लिए प्रस्थान करेगी। श्री पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम में बैंड टीम द्वारा हिन्दी, गुजराती, अंग्रेजी, स्पेनिश और जर्मन धुनें प्रस्तुत की जाएंगी। स्कूल की प्राचार्य सिस्टर लिली ने बताया कि बैंड की टीम पिछले 15 दिन से इस गौरवपूर्ण कार्यक्रम के लिए तैयारी कर रही है। इस कार्यक्रम में शामिल होना हमारे स्कूल, भोपाल और पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है।

सीजेआई पर जूता फेंकना राकेश किशोर को पड़ा भारी

● बढ़ गई मुश्किलें, अवमानना का केस चलाने को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने की कोशिश करने वाले राकेश किशोर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने गुरुवार को जूताकांड में राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई चलाने की अपनी मंजूरी दे दी

है। भगवान विष्णु पर सीजेआई गवई की टिप्पणी से नाराज राकेश किशोर ने छह अक्टूबर को उन पर भरी कोर्ट में जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, बाद में सीजेआई ने उन्हें माफ करते हुए कोई भी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। अटॉर्नी जनरल द्वारा अवमानना की मंजूरी दिए जाने की बात की जानकारी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तब दी, जब सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने इस मामले को उठाया।

प्रमोशन में आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

2016 के पहले हुए प्रमोशन पर लागू नहीं होगी नई पॉलिसी, कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से किया इंकार

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद पर हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। राज्य सरकार ने अदालत में नई प्रमोशन नीति को लेकर अपना पक्ष स्पष्ट किया। सरकार ने बताया कि नई प्रमोशन पॉलिसी 2016 के बाद हुए प्रमोशन पर लागू होगी, जबकि 2016 से पहले हुए प्रमोशन पुराने नियमों के तहत ही मान्य रहेंगे। राज्य सरकार ने कोर्ट से डीपीसी (डीपीसी) और प्रमोशन प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अब अंतरिम आदेश की जगह अंतिम निर्णय सुनाया जाएगा।

28-29 को अगली सुनवाई- सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से कहा कि यदि वह चाहे तो क्वांटिफायबल डेटा सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत कर सकती है। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 28 और 29 अक्टूबर को तय की है। इसके साथ ही अदालत ने यह स्पष्ट किया कि अंतिम

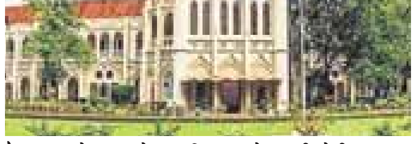

फैसला आने तक प्रमोशन प्रक्रिया पर रोक बनी रहेगी।

कोर्ट ने सरकार से मांगा था स्पष्टीकरण- मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था। हाईकोर्ट ने कहा कि जब पुरानी पॉलिसी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, तो फिर नई पॉलिसी क्यों लागू की जा रही है? सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने बड़े ही व्यवहारिक तरीके से सवाल पूछे कि पहले रद्द किए प्रमोशन पर नई पॉलिसी कैसे काम करेगी।

जैसलमेर अग्निकांड में बस मालिक और ड्राइवर गिरफ्तार

● परिवार में 3 मौत तो 25 लाख मिलेंगे, घायलों को 2-2 लाख देगी सरकार

जोधपुर/जैसलमेर (एजेंसी)। जैसलमेर बस अग्निकांड में पुलिस ने बुधवार रात बस मालिक तुराब अली और ड्राइवर शौकत को गिरफ्तार कर लिया। एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया कि इस मामले में 2

एफआईआर दर्ज हुई थी। इधर, पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। जिस परिवार में तीन या इससे ज्यादा लोगों की जान गई है, उन्हें कुल 25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। एक परिवार से एक या दो मौत होने पर प्रति व्यक्ति 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे। गंभीर घायलों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साधारण रूप से घायल हुए लोगों को एक-एक लाख रुपए मिलेंगे।

अपराधी की चाल से तेज होनी चाहिए न्याय की पहुंच

अमित शाह ने कहा-पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है, जो कानून के शासन और सुरक्षित सीमाओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वह दिल्ली में सीबीआई द्वारा आयोजित 'फरार अपराधियों के प्रत्यर्पण चुनौतियां और रणनीतियां' विषय पर सम्मेलन में बोल रहे थे। अमित शाह ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत कानून के शासन और सुरक्षित सीमाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। इस सम्मेलन के जरिए हम वैश्विक स्तर पर संचालन, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ

लाने का प्रयास करेंगे। गृह मंत्री ने इस दौरान अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया ताकि फरार अपराधियों को लाया जा सके।

बिहार एसआईआर से चुनाव आयोग ने ली सीख

● अब पश्चिम बंगाल में ढील देने की शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर उठे विवादों और कानूनी चुनौतियों के बाद, चुनाव आयोग अब इस प्रक्रिया में बड़े बदलाव करने जा रहा है। इसका उद्देश्य मतदाताओं की

परेशानियों को कम करना और प्रक्रिया को मतदाता अनुकूल बनाना है। बिहार में एसआईआर के दौरान दस्तावेजों की जटिल मांग, फॉर्म न भरने पर नामों की बड़ी संख्या में हटाई गई प्रविष्टियां (डिलीशन) और बहुत कम समय सीमा जैसी समस्याओं को लेकर मतदाताओं में असंतोष था। अब आयोग इन तीनों बिंदुओं पर लचीलापन लाने की योजना बना रहा है। बिहार में पहली बार हर मतदाता से नए दस्तावेजों की मांग की गई थी।

पंजाब में बड़ी साजिश रच रही है आईएसआई

● हथियारों की तस्करी में पांच गुना तक कर ली वृद्धि ● खालिस्तानी गुटों को आईएसआई दे रही भारी रकम

अमृतसर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव के बीच पंजाब में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस) एक बड़ी साजिश रच रही है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी में पिछले साल की तुलना में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस साल अब तक 362 हथियार जब्त किए जा चुके हैं जिनमें एके-47 राइफलें, ग्रेनेड और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेस

शामिल हैं। वहीं 2024 में यह संख्या महज 81 थी। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह उछाल भारत की ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उपजी पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, जिसमें भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। बताया जा रहा है कि कुल बरामद हथियारों में से करीब एक-तिहाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब्त किए गए हैं। एजेंसियों की सतर्कता से तस्करी नेटवर्क्स को ध्वस्त किया गया है।

● **पाक की साजिश में शामिल खालिस्तानी-** पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बातचीत में कहा, हमने सीमा पार से भेजे जा रहे अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी को नाकाम किया है और कई आतंकी साजिशों को समय रहते विफल किया है। उन्होंने बताया कि यह सफलता पंजाब पुलिस, काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट, स्पेशल सर्विस ऑपरेशन सेल, सीमा सुरक्षा बल और केंद्रीय एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से संभव हुई है। जांच में खुलासा हुआ है कि अमेरिका, कनाडा और अन्य देशों में सक्रिय गैंगस्टर और आतंकी संगठन न केवल बब्बर खालसा इंटरनेशनल जैसे समूहों के सदस्यों को हथियार उपलब्ध करा रहे हैं, बल्कि संगठित अपराध को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

नंदलाल पुरा क्षेत्र के 24 किन्नरों के सामूहिक फिनाइल प्रकरण में सपना हाजी गिरफ्तार

इंदौर। नंदलालपुरा क्षेत्र में बुधवार शाम आपसी विवाद के चलते 24 किन्नरों द्वारा सामूहिक रूप से फिनाइल पी लेने की घटना ने पुलिस प्रशासन को हिला दिया। सभी को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई गई। घटना के बाद जवाहर मार्ग थाना क्षेत्र से लेकर अस्पताल परिसर तक रातभर पुलिस बल की तैनाती रही। रात 9 बजे से तड़के 3 बजे तक हंगामा और तनाव का माहौल बना रहा। मामले में पुलिस ने देर रात एफआईआर दर्ज कर मुख्य आरोपी किन्नर सपना हाजी समेत अन्य आरोपियों की तलाश शुरू की। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल के मुताबिक सपना हाजी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। घटना की जड़ में एक दिन पहले दर्ज कराया गया दुष्कर्म केस और गुटबाजी बताई जा रही है। एक पक्ष ने पत्रकारों पंकज जैन और अक्षय कुमायू पर गंभीर आरोप लगाए थे, वहीं दूसरा पक्ष प्रताड़ना और बदनाम करने की बात कह रहा है। किन्नर पायल गुरु (नंदलालपुरा) और किन्नर सपना हाजी (एमआर-10)में लंबे समय से विवाद चल रहा है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में फिनाइल पीने की बात सामने आई है। संयोगितागंज एसीपी मौके पर मौजूद है। सीएमएचओ को निर्देश दिए गए हैं कि सभी प्रभावितों का समुचित उपचार सुनिश्चित कराया जाए। बताया गया कि मरीजों की स्थिति स्थिर है और निरंतर पुलिस प्रशासन की निगरानी में इलाज जारी है। जहरीला पदार्थ किस कारण से पीया है इस संबंध में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, किन्नर समाज में बीते कुछ महीनों से गादी और संपत्ति को लेकर दो गुटों पायल गुरु और सीमा गुरु के बीच तनातनी चल रही है। दोनों पक्षों के बीच कई बार झगड़े हो चुके हैं। इस विवाद को लेकर पूर्व में सीपी संतोष सिंह ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) भी बनाई थी, लेकिन करीब तीन महीने गुजर जाने के बाद भी जांच आगे नहीं बढ़ी। सूत्रों के मुताबिक, डीसीपी ऋषिकेश मीणा के ट्रांसफर के बाद टीम निष्क्रिय हो गई।

सभी की हालत खतरे से बाहर, प्रशासन सजग, रात को सड़क पर हंगामा

प्रशासन और पुलिस अलर्ट- पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में हुई इस दुखद घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अलर्ट है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने विस्तृत जानकारी ली है। एमवाय अस्पताल में सभी प्रभावितों का उपचार सुनिश्चित किया जा चुका है। मौके पर एसडीएम प्रदीप सोनी और तहसीलदार मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ हासानी और अस्पताल के डॉक्टर उपचार में संलग्न है। जानकारी के अनुसार, इस मामले में पुलिस ने चार किन्नरों पर अब तक प्राथमिकी दर्ज की है। किन्नर सपना हाजी, राजा हाशमी, पंकज जय और अक्षय कुमाऊ पर देर रात संयोगितागंज थाना में केस दर्ज हुआ। दोनों पक्ष एक दूसरे पर विजयनगर, द्वारकापुरी,अन्नपूर्णा, खजराना और चंदननगर थानों में शिकायत कर चुके है। मंगलवार को नंदलाल पुरा के एक किन्नर ने अक्षय और पंकज पर दुष्कर्म का केस दर्ज करवाया था। पुलिस इस घटना की जांच कर रही थी कि बुधवार शाम 24 किन्नरों ने जहरीला पदार्थ पी लिया। पंढरीनाथ टीआई अजय राजोरिया के मुताबिक किन्नरों ने रूम बंद कर यह कृत्य किया। सूचना के बाद पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़कर किन्नरों को ऑटो रिक्शा, एम्बुलेंस,पुलिस वाहन से अस्पताल भेजा। किन्नरों की तबीयत बिगड़ने पर साथी किन्नर सड़क उतर आए।

घटना के बाद सड़क पर हंगामा

जवाहर मार्ग पर सड़क पर लेट गए और जाम लगा दिया और सपना हाजी के खिलाफ नारेबाजी की। करीब सौ किन्नर पंढरीनाथ थाने भी पहुंच गए। उनका आरोप है कि सपना हाजी, उसका प्रेमी राजा हासमी, साथी विजय,वकील, पंकज, अक्षय से धमकी मिल रही है। सपना के खौफ के कारण आत्महत्या की कोशिश की है। इस दौरान पुलिस को स्थिति संभालने के दूसरे थानों का बल बुलाना पड़ा। एमवाय अस्पताल में भी जोन-3 के थानों की पुलिस तैनात करना पड़ गई। कवरेज करने वाले मीडियाकर्मी और पुलिसकर्मियों के साथ भी किन्नरों ने अभद्रता की।

'एमवाय' के चूहा कांड में जिम्मेदारों ने स्थानीय रिपोर्ट में खुद को बचाया

राज्य स्तर की जांच में डीन और अधीक्षक भी दोषी पाए गए

इंदौर। एमवाय अस्पताल में चूहों के काटने से हुई दो मासूमों की मौत के दर्दनाक मामले में जांच रिपोर्ट पेश करने में मनमर्जी नजर आई। मामले को लेकर दो अलग-अलग रिपोर्ट पेश की गई। एक में अधिकारियों ने खुद को बचाया तो दूसरी में उन्हीं अधिकारियों की लापरवाही उजागर हुई। पहली रिपोर्ट स्थानीय स्तर पर डीन डॉ अरविंद घनघोरिया द्वारा गठित कमेटी ने तैयार की थी। इसमें खुद को और अधीक्षक डॉ अशोक यादव को बचाते हुए दोष पीडियाट्रिक विभाग के डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और पेस्ट कंट्रोल कंपनी पर डाल दिया गया। यह रिपोर्ट घटना के बाद हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान के बाद 15 सितंबर को पेश की गई।

इसके उलट राज्य स्तरीय समिति की रिपोर्ट जो हाल ही में हाईकोर्ट में रखी गई, वह 8 सितंबर को स्वास्थ्य आयुक्त को सौंपी गई थी और राज्य सरकार ने इसे एक माह बाद 8 अक्टूबर को हाईकोर्ट के समक्ष रखा गया। इसमें साफ लिखा कि लापरवाही अस्पताल प्रबंधन तक जाती है और डीन-अधीक्षक भी इससे अलग नहीं हो सकते। इससे स्पष्ट है कि स्थानीय कमेटी द्वारा बनाई गई रिपोर्ट प्रबंधन के प्रभाव में आकर बनाई गई थी।

हेल्पलाइन से 500 शिकायतों का निवारण

इंदौर। शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। जारी व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर अब तक 500 से अधिक शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। 15 अक्टूबर को 15 शिकायतें मिलीं, इनमें से 12 पर तत्काल कार्रवाई की गई।

शिकायत मुख्य रूप से सड़कों पर कंस्ट्रक्शन सामग्री,नो-पार्किंग में वाहन, लेफ्ट टर्न बाधित करने और रॉन्ग साइड वाहन चलाने से जुड़ी थीं। पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर चालान भी काटे। इससे हेल्पलाइन पर नागरिकों का भरोसा बढ़ा है।

बेहतर व्यवस्था के लिए पुलिस भ्रमण

इंदौर। दीपावली पर्व को देखते हुए परदेशीपुरा क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों ने पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। अति. पुलिस उपायुक्त जोन-3 अमरेंद्र सिंह,सहायक पुलिस आयुक्त हिमानी मिश्रा और थाना प्रभारी आर.डी.कानवा ने बाजारों का निरीक्षण कर व्यापारियों से चर्चा की। उन्हें सड़क पर सामान और वाहन न रखने की समझाइश दी गई तथा बिना नंबर की गाड़ियों पर कार्रवाई की गई। पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा मानकों रेत, बाल्टी,फायर एक्सटिंग्विशर और सीसीटीवी फुटेज की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए।

15वीं वाहिनी परेड ग्राउंड में आयोजन

इंदौर। सेनानी 15वीं वाहिनी विसबल इंदौर द्वारा पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन 21 अक्टूबर को सुबह 9 बजे शहीद स्मारक 15वीं वाहिनी परेड ग्राउंड में किया जाएगा। आयोजन में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। परेड कार्यक्रम में 15वीं वाहिनी विसबल इंदौर द्वारा शहीद पुलिस कर्मचारियों के नामों का वाचन किया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रीथ अर्पण की जाएगी। समस्त पुलिस अधिकारियों द्वारा सलामी शस्त्र व शोक शस्त्र को सैल्यूट किया जाएगा। इसके बाद बिगुलर लास्ट पोस्ट व राउज बजाया जायेगा। तत्पश्चात परेड पील ऑफ होगा।

डॉ. अंबेडकर नगर-जयपुर के बीच स्पेशल ट्रेन आज से चलना शुरू

त्योहारों के समय यात्रियों को आवागमन में होगी सुविधा

इंदौर। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए तथा उन्हें सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डॉ अंबेडकर नगर और जयपुर के बीच विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। जयपुर-डॉ अंबेडकर नगर स्पेशल जयपुर से 17 से 31 अक्टूबर तक प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 13.00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को रात 01.30 बजे डॉ अंबेडकर नगर पहुँचेगी। जयपुर-डॉ अंबेडकर नगर-जयपुर स्पेशल दोनों दिशाओं में कुल 3-3 फेरों में चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे की विज्ञप्ति के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि गाड़ी संख्या 09727 जयपुर-डॉ अंबेडकर नगर स्पेशल जयपुर से 17 से 31 अक्टूबर तक प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 1 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को रात्रि 01.30 बजे डॉ. अंबेडकर नगर पहुंचेगी। रतलाम मंडल में यह ट्रेन चित्तौड़गढ़ (18.40/18.50), नीमच (20.18/20.20), मंदसौर (21.20/21.22), रतलाम (23.00/23.10) एवं इंदौर (01.00/01.05, शनिवार) स्टेशन पर ठहरेगी।

पत्रकारिता की आड़ में अपराध करने वालों को बक्शा नहीं जाए

इंदौर प्रेस क्लब ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा

इंदौर। इंदौर प्रेस क्लब ने पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह को पत्र लिखकर दो आरोपियों पंकज जैन और अक्षय कुमायूं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। हाल ही में इन दोनों के खिलाफ इंदौर पुलिस ने गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। प्रेस क्लब ने स्पष्ट किया है कि इनका प्रेस क्लब से कोई संबंध नहीं है और न ही ये पत्रकारिता से जुड़े हैं। प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कदम ने पत्र में कहा कि कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ में फर्जी पहचान बनाकर ब्लैकमेलिंग और अवैध गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। ऐसे लोग पत्रकारिता की साख को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि इन पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी अपराधी पत्रकारिता के नाम पर गलत काम करने की हिम्मत न कर सके। कदम ने यह भी उल्लेख किया कि आरोपी अक्षय कुमायूं का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से रहा है। प्रेस क्लब ने प्रशासन को भरोसा दिलाया है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में वह पुलिस का हर संभव सहयोग करेगा। पत्र की प्रति कलेक्टर और जनसंपर्क अधिकारी को भी भेजी गई है।

यह था मामला

इंदौर के पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में एक किन्नर के साथ धोखाधड़ी और दुष्कर्म का मामला सामने आया। पीड़िता के अनुसार दो युवक पत्रकार बनकर उसके पास पहुंचे और पैसे की मांग करने लगे। जब उसने पैसे देने से इनकार किया तो आरोपी पंकज उसे धमकाते हुए पास की बिल्डिंग में ले गया और उसके साथ जबरन गलत काम किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी पंकज और अक्षय ने पहले विवादित मामले को लेकर ब्लैकमेल किया और फिर जान से मारने की धमकी दी। डरी हुई पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल दोनों आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

बीआरटीएस तोड़ने के लिए टेंडर, दिवाली के बाद हाई कोर्ट के निर्देश पर काम शुरू

राजगढ़ की एक कंपनी को बीआरटीएस तोड़ने का काम सौंपा

इंदौर। करीब 13 किलोमीटर लंबा बीआरटीएस दिवाली के बाद टूटना शुरू हो जाएगा। इसके लिए वर्क आर्डर जारी हो चुका है। करीब 3 करोड़ रुपए में इसे हटाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। राजगढ़ की कंपनी बीआरटीएस को तोड़ने का कार्य करेगी। हाई कोर्ट के आदेश के बाद इसे तोड़ा जा रहा है। जानकारी अनुसार पश्चिम क्षेत्र के राजीव गांधी चौराहा से पूर्वी क्षेत्र के निरंजनपुर चौराहा तक बीआरटीएस स्थित है।

बीआरटीएस पर तोड़फोड़ करने के साथ डिवाइडर और सेंट्रल लाइट लगाने के लिए तीन पैकेज में बुलाए गए टेंडर में से तीसरे पैकेज के टेंडर का आज आखिरी दिन है। पैकेज में पहले ही टेंडर आ गए और ठेकेदार एजेंसी तय हो गई है। निगम जनकार्य विभाग ने बीआरटीएस कॉरिडोर की रेलिंग और बस स्टॉप को तोड़ने का ठेका राजगढ़ की ठेकेदार एजेंसी को 2 करोड़ 55 लाख रुपए में दिया है। जीएसटी मिलाकर यह राशि तकरीबन 3 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी। इसके साथ ही पिछले दिनों हुई एमआईसी की बैठक में बीआरटीएस तोड़ने का ठेका देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। राजगढ़ की जिस ठेकेदार एजेंसी को बीआरटीएस तोड़ने का ठेका दिया गया है, उसके कर्ताधर्ताओं को कल निगम मुख्यालय में जनकार्य विभाग के प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बुलाकर चर्चा की और दीपावली बाद बीआरटीएस को तोड़ना शुरू करने को कहा है। इसके साथ ही एमआईसी से मंजूर प्रस्ताव पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के हस्ताक्षर होने के बाद उसे जनकार्य विभाग ने बुला लिया है ताकि ठेकेदार एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी किया जा सके। इधर, बीआरटीएस पर तोड़फोड़ करने के साथ डिवाइडर बनाने और सेंट्रल लाइट लगाने का काम भी होगा।

सेंट्रल लाइटिंग के लिए टेंडर

जानकारी अनुसार निगम ने तीन अलग-अलग पैकेज में टेंडर जारी किए थे। इनमें से पहले पैकेज निरंजनपुर चौराहा से एलआईजी चौराहा और दूसरे पैकेज एलआईजी चौराहा से इंदिरा गांधी प्रतिमा तक डिवाइडर बनाने व सेंट्रल लाइट लगाने के टेंडर आने के साथ मंजूर हो गए, लेकिन तीसरे पैकेज इंदिरा गांधी प्रतिमा से राजीव गांधी प्रतिमा चौराहा तक के टेंडर दो बार करने के बावजूद ठेकेदार न आने पर तीसरी बार टेंडर जारी किए गए हैं। टेंडर का आज आखिरी दिन है। टेंडर आने के बाद कल खोले जाएंगे। निगम की प्लानिंग है कि बीआरटीएस तोड़ने के साथ-साथ डिवाइडर बनाने और सेंट्रल लाइट लगाने का काम किया जाए ताकि घटना-दुर्घटना न हो, क्योंकि बीआरटीएस के टूटने से रोड चौड़ा होने से एक्सीडेंट होने की संभावना बढ़ जाएगी।

दीपावली की सफाई का दौर अंतिम चरण में, निकल रहा ज्यादा कचरा

इंदौर। दीपावली का त्योहार शुरू होने में 2 दिन बचे हैं। घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में साफ सफाई का दौर अब लगभग अंतिम चरण में है। ऐसे में निकलने वाला कचरा की मात्रा भी बढ़ गई है। आम दिनों में जहां करीब 1100 टन कचरा फेंसिंग ग्राउंड पहुंचता है वही हाल के दिनों में करीब 1600 टन ज्यादा कचरा पहुंच रहा है। शहर भर से कचरा उठाने के लिए नगर निगम को अतिरिक्त संसाधन भी लगाना पड़े हैं। जानकारी अनुसार शहर भर से कचरा उठाने के लिए प्रतिदिन सुबह से लेकर देर रात तक हल्ला गाड़ियों से लेकर बड़ी गाड़ियां कचरा उठाने के कामों में जुटी हैं। 150 से ज्यादा वाहन अतिरिक्त दिए गए और इन दिनों ट्रेंचिंग ग्राउंड पर हर रोज 1400 टन कचरा पहुंच रहा है, जबकि आम दिनों में यह आंकड़ा 1100 से 1200 टन के बीच रहता है। हर बार दीपावली के पूर्व निगम स्वास्थ्य विभाग का अमला सभी वार्डों में अपनी तैयारियां करता रहा है, ताकि बाद में दिक्कत न आएं, लेकिन इस बार भी पूर्व से की गई व्यवस्थाएं फेल और कई जगह कचरा उठाने के लिए अतिरिक्त संसाधन और टीमें लगानी पड़ीं। कई झोनलों पर दो से तीन अतिरिक्त हल्ला गाड़ियां तैनात की गई, क्योंकि वार्डों से गाड़ियां लबालब होकर कचरा ट्रांसफर स्टेशन पहुंच रही हैं और इसी के चलते कुछ बड़े वाहन भी कचरा ट्रांसफर स्टेशनों पर तैनात किए गए हैं। इसके अलावा मुख्य मार्गों से कचरा लेने के लिए कुछ बड़े वाहन भी लगाए गए हैं, ताकि व्यापारिक क्षेत्रों से सूखा कचरा लिया जा सके। हालांकि गीले-सूखे कचरे के लिए बाजारों में भेजे जाने वाली अलग-अलग हल्ला गाडियां पहले से ही दौड़ाई जा रही हैं।

अतिरिक्त कर्मचारी भी तैनात

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक घरों से लेकर बाजारों तक निकलने वाले कचरे को ट्रांसफर स्टेशन भेजा जा रहा है और कई बड़े वाहन, जो बाजारों से सूखा कचरा एकत्र कर रहे हैं, उन्हें सीधे ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा जा रहा है। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर भी कई अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है। यही व्यवस्था कई कचरा ट्रांसफर स्टेशनों पर की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया के मुताबिक आम दिनों में कचरा 1100 से 1200 टन तक ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचता रहा है, लेकिन दीपावली के पूर्व यह आंकड़ा 1350 टन से 1400 टन के बीच पहुंच चुका है।

राष्ट्रपति संभाग के तीन जिलों को सम्मानित करेंगी

इंदौर। राष्टपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा इंदौर संभाग के पांच जिले बड़वानी, धार, खंडवा,झाबुआ और बुरहानपुर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक सम्मारोह में सम्मानित किया जाएगा। इंदौर संभाग में संभाग आयुक्त डॉ सुदाम खाड़े के निर्देशन में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत संभाग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संभाग आयुक्त के विशेष निर्देशन में झाबुआ जिले को एक अलग उपलब्धि के लिए राष्टपति के समक्ष प्रस्तुतिकरण का अवसर मिला है। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में झाबुआ कलेक्टर नेहा मीणा आदि कर्मयोगी अभियान और आदि कर्मयोगी पर्व पर अपना प्रस्तुतिकरण देंगी। साथ ही बुरहानपुर जिले को भी धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चयनित किया गया है।

मुंबई के बेरोजगार युवक ने इंदौर आकर होटल में सुसाइड किया

महिला मित्र ने आकर पता किया, नौकरी छूटने से था परेशान

इंदौर। छोटी ग्वालटोली की उदय पैलेस होटल में मुंबई के एक युवक ने आत्महत्या कर ली। बुधवार शाम को उसका शव फंदे से लटका मिला। मोबाइल बंद होने के बाद उनकी महिला मित्र उसे ढूंढती हुई होटल पहुंची थी। उसने होटल के स्टाफ को जानकारी दी। दरवाजा अंदर से लॉक था। पुलिस की मौजूदगी में रूम का दरवाजा खोला, तो युवक फंदे पर लटका मिला।

पुलिस ने बताया कि युवक की पहचान वैभव (30) पुत्र प्रदीप मूलचंदानी मुंबई के रूप में हुई। 2 अक्टूबर से इंदौर के होटल में रुका था। वह जॉब ढूंढने यहां आया था। वही कुछ समय पहले तक एक बीपीओ में ट्रेनिंग का काम करता था। मार्च में उसकी जॉब छूट गई थी। इसके बाद से वह डिप्रेशन में चल रहा था। उसके परिवार में माता पिता है। वह उनका इकलौता बेटा था। वैभव के पिता मुंबई में एक स्टोर में काम करते है।

वैभव के साथ बीपीओ में उसकी महिला मित्र काम करती थी। कुछ समय पहले महिला मित्र की गुजरात की कंपनी में जॉब लग गई थी। लेकिन, मां की तबीयत खराब होने के चलते वह इंदौर आ गई थी। वैभव के पास भी मार्च से काम नहीं था।

महिला मित्र के कहने पर वह इंदौर आ गया था। मंगलवार को वैभव ने मोबाइल पर अपनी महिला मित्र से फाइनेंसियल प्राब्लम की बात शेयर की थी। उसने बताया था कि उसके पास होटल के रूम के किराया देने के लिए भी रुपए नहीं है। वह माता पिता पर बोझ नहीं बनना चाहता था। वैभव का इसके बाद से मोबाइल बंद आ रहा था। मंगलवार शाम को महिला मित्र होटल पहुंची थी। लेकिन वह यहां नहीं मिला। दूसरे दिन सुबह से भी महिला मित्र उसे कॉल कर रही थी। लेकिन, वैभव का मोबाइल स्विच आफ था। हालांकि पुलिस ने वैभव का मोबाइल जब्त किया है। सुसाइड नोट को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

परीक्षा रुकवाने के लिए फैला दी प्रिंसिपल की मौत की अफवाह

इंदौर। 134 वर्ष पुराने शहर के प्रतिष्ठित शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में प्राचार्य अनामिका जैन की मौत की खबर से सनसनी फैल गई। छात्र और स्टाफ ने आवश्यक सूचना का पत्र देखा तो धक से रह गए। स्टाफ ने डरते हुए प्राचार्य के मोबाइल पर कॉल लगाया तो उनकी आवाज सुनकर जान में जान आई। इस साजिश के पीछे कॉलेज के ही दो छात्रों का नाम सामने आया है।

दोनों छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज- भंवरकुआं पुलिस ने उनके विरुद्ध गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। आरोपित छात्र परीक्षा स्थगित करवाने की साजिश में थे। प्राचार्य का आरोप है कि छात्रों की इस हरकत से पूरे परिवार तनाव में आ गया था। पुलिस के मुताबिक होलकर विज्ञान महाविद्यालय में 15 एवं 16 अक्टूबर को सीसीई की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई है। महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर संबंधित विभाग प्रोफेसर और विद्यार्थियों के लिए सूचना पत्र चस्पा करवाया गया था। 14 अक्टूबर को रात करीब 10 बजे छात्रों ने वॉट्सएप ग्रूप पर खबर फैला दी की प्राचार्य अनामिका जैन का आकस्मिक देहांत हो गया है। इस कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल पत्र महाविद्यालय के छात्रों, स्टाफ और प्रोफेसर के पास पहुंच गया। प्राचार्य के निधन की खबर सुनकर स्टाफ हतप्रभ रह गया। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डा.नागेश डगावकर, डा.अर्पणा गधे और विद्यार्थी आलेख द्विवेदी ने घबराते हुए प्राचार्य को कॉल लगाया। प्राचार्य द्वारा फोन उठाने पर वॉट्सएप पर मिले पत्र और संदेश के बादे में बताया। प्राचार्य ने कहा वह ठीक है और अपने परिवार के साथ हैं।

छात्रों ने ही मैसेज वायरल कर फैलाई अफवाह- प्राचार्य अनामिका अशोक जैन (विजयनगर) ने तत्काल भ्रामक सूचना का खंडन किया और मैसेज कर छात्रों को बताया कि परीक्षा स्थगित नहीं की गई है। छानबीन करने पर पता चला अफवाह के पीछे बीसीए (फाइनल) के छात्र हिमांशु जायसवाल और मयंक कछावा का हाथ है। छात्रों ने प्राचार्य के समक्ष कबूला कि वह सीसीई की ऑनलाइन परीक्षा स्थगित करवाना चाहता था। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए प्राचार्य ने थाना में शिकायत की और दोनों छात्रों के विरुद्ध केस दर्ज करवाया।

संपादकीय

अब मेडागास्कर में जेन-जी क्रांति!

बांग्लादेश और नेपाल के बाद भारत में भी जिस जेन-जी क्रांति की संभावना जताई जा रही थी, वह भारत में भले न हुई हो, लेकिन अफ्रीका के एक सुदूर द्वीप देश मेडागास्कर में जरूर हो गई है। युवाओं के उग्र आंदोलन के बाद वहां के राष्ट्रपति एंड्री राजोलिना देश छोड़कर भाग गए हैं और सेना ने सत्ता पर कब्जे का दावा किया है। लेकिन इसमें भी पेंच फंस गया है, क्योंकि मेडागास्कर की मुख्य सैन्य यूनिट सीएपीएसएटी के प्रमुख कर्नल माइकल रेन्ड्रियानीरीना शुक्रवार को नए राष्ट्रपति की शपथ लेने वाले थे। कर्नल रेन्ड्रियानीरीना मेडागास्कर गणराज्य के पुनर्स्थापना दिवस पर 17 अक्टूबर को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले थे। इससे मीडिया में प्रचारित भी किया गया था। लेकिन अफ्रीकी देशों के संगठन अफ्रीकन यूनियन ने इसे नामंजूर करते हुए चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो वह यूनियन मेडागास्कर की सदस्यता निलंबित कर देगा। उधर देश छोड़कर भागे राष्ट्रपति राजोलिना ने दावा किया कि वो अभी भी देश के वैध राष्ट्रपति हैं। उन्होंने अभी तक पद से इस्तीफा नहीं दिया है। राष्ट्रपति राजोलिना के देश छोड़ने के बाद सेना ने देश की वैधानिक संस्थाओं को भी निलंबित कर दिया था। उधर राजोलिना के देश से भागने के बाद उनके खिलाफ संसद ने उनके खिलाफ महाभियोग चला दिया है। राष्ट्रपति राजोलिना भी 2009 में तख्तापलट के बाद सत्तासीन हुए थे और तीसरी बार फिर राष्ट्रपति चुने गए थे। यह चुनाव विवादों में रहा था और देश की विपक्षी पार्टियों और खुद राजोलिना के कुछ समर्थकों ने भी इसका विरोध किया था। देश में राजोलिना की सत्ता के खिलाफ जेन जी ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। युवा देश में पानी, बिजली में कटौती, सरकारी भ्रष्टाचार और गरीबी, उच्च शिक्षा की सीमित लोगों तक पहुंच के खिलाफ युवा सड़कों पर उतरे थे। उन्हें श्रमिक यूनियनों और अन्य सिविल संस्थाओं का समर्थन भी मिला। बाद में सेना भी इसमें शामिल हो गई। देश में विरोध की आग भड़क उठी और नया राजनीतिक संकट पैदा हो गया। शनिवार को अचानक सेना की सबसे ताकतवर यूनिट सीएपीएसएटी के सुरक्षाबलों ने अपनी बैरकों को छोड़ दिया और प्रदर्शनकारियों के साथ जुड़ गए। दो दिन बाद रिपोर्ट्स आईं कि राजोलिना फ्रांसिसी सेना की सहायता से दुबई भाग गए हैं। पूरे आंदोलन को सेना ने हाईजैक कर लिया। जहां तक कर्नल रेन्ड्रीआनीरीना का सवाल है तो वो काफी पहले से राष्ट्रपति राजोलिना की नीतियों के आलोचक रहे हैं। यहां तक कि राष्ट्रपति को हटाने का षड्यंत्र रचने के आरोप में उन्हें कई महीनों तक जेल में रहना पड़ा था। वैसे करीब 3 करोड़ की आबादी वाले मेडागास्कर में सेना सत्ता के खेल में बड़ा कारक रही है। उल्लेखनीय है कि मेडागास्कर को 1960 में फ्रांस से आजादी मिली थी। इसके पहले यह फ्रांस का उपनिवेश था। इसके पहले जब 2009 में राजोलिना ने तत्कालीन राष्ट्रपति मार्क रावालोमानाना को हटाकर सत्ता पर क़ब्ज़ा किया था तो सेना ने उनका समर्थन किया था। सत्ता पर काबिज होते ही वहां सेना ने घोषणा कर दी कि देश में सभी संवैधानिक अदालत और चुनाव आयोग सहित प्रमुख लोकतांत्रिक संस्थाओं को निलंबित कर दिया गया है। सीएपीएसएटी के प्रमुख कर्नल माइकल रेंड्रियानिरिना ने कहा है कि वह अगले 18 महीने से दो साल के अंदर चुनाव कराएंगे। उन्होंने कहा कि मेडागास्कर के जेन ज़ी प्रदर्शनकारी इस बदलाव का हिस्सा होंगे क्योंकि 'सड़कों पर यह आंदोलन शुरू हुआ था और हमें उनकी मांगों का सम्मान करना होगा।' कर्नल ने कहा कि उनके साथी अफ़सरों और उनके पास वर्तमान शासन को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मेडागास्कर एक गरीब देश है और काफी कुछ विदेशी मदद पर निर्भर है। 2009 में हुए तख्तापलट के बाद देश पाँच साल तक राजनीतिक गतिरोध में फंसा रहा, जिससे अंतराष्ट्रीय आलोचना और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। अब देखने की बात यह है कि कर्नल माइकल रेंड्रियानिरिना शुक्रवार को पद की शपथ ले पाते हैं या नहीं। अगर नहीं ले सके तो मेडागास्कर में राजनीतिक संकट और गहरा सकता है। सवाल यह भी है कि क्या कर्नल माइकल रेंड्रियानिरिना अफ्रीकन यूनियन के विरोध को नजर अंदाज कर राष्ट्रपति बनेंगे। और बने भी तो उन्हें अंतराष्ट्रीय मान्यता कितनी मिलेगी? नहीं मिली तो मेडागास्कर में राजनीतिक संकट और गहराएगा।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

अम्बेडकर एवं संविधान पर विवाद के अर्थ

मध्य प्रदेश में बहस में डॉ. अम्बेडकर इसलिए नहीं आए हैं कि उनका अस्पृश्य समाज को लेकर बहुत बड़ा कार्य है बल्कि वह संविधान के बहाने चर्चा में हैं। विवाद अब तो गहराता जा रहा है। अफ्रीकी देश जहाँ वर्षों से रंगभेद के खिलाफ संघर्ष होते हैं वहां भी उस देश के संविधान या उसके निर्माता कौन थे, इस पर बहस नहीं होती लेकिन मध्य प्रदेश में हो रही है कि हमारे देश के संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर नहीं थे। कुछ दिन पूर्व मैं एक आलेख लिख रहा था डॉ. अम्बेडकर के धम्मचक्र प्रवर्तन की अंतर्यात्रा। इस आलेख लिखने के दौरान मुझे पता चला कि डॉ. अम्बेडकर ने स्वयं को संविधान निर्माता कहा है। रंगून में उन्होंने एक भाषण दिया था उसका अंश है कि मैं भारतीय संविधान का शिल्पकार हूं। मैंने वह संविधान बनाया है। एक बात यह कि उसमें पाली भाषा के उत्थान का प्रबंध मैंने कर रखा है, और, दूसरी बात यह कि, राष्ट्राध्यक्ष के राजवाड़े के ऊपर गौतम बुद्ध के उपदेशों में से पहला चरण धम्मचक्र परिवर्तन लिख दिया है।

भारत के हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश में डॉ. अम्बेडकर इन दिनों चर्चा में हैं। संविधान में डॉ. अम्बेडकर के योगदान को छिड़े विवाद ने जातीय राजनीति में हलचल मचा दिया है। डॉ. अम्बेडकर एक अच्छे अधिवक्ता थे। उन्होंने अपने जीवन में ऐसे समाज के लिए पर्याप्त आन्दोलन किया जिससे अस्पृश्य समाज सम्मान प्राप्त कर सके। अस्पृश्य समाज की आवाज़ के रूप में डॉ. अम्बेडकर को विशिष्ट पहचान मिली। अम्बेडकर ज्योतिबा फुले को अपना गुरु मानते थे। एक तरह से समकालीन थे। औरंगाबाद में फुले और अम्बेडकर की मूर्ति अगल-बगल लगी है। दलित समाज में ज्योतिबा फुले के भी योगदान को ऐतिहासिक माना जाता है। डॉ. अम्बेडकर ने भी विभिन्न मंचों पर यह स्वीकार किया कि महात्मा फुले के ही कार्य को हम आगे बढ़ा रहे हैं।

मध्य प्रदेश में बहस में डॉ. अम्बेडकर इसलिए नहीं आए हैं कि उनका अस्पृश्य समाज को लेकर बहुत बड़ा कार्य है बल्कि वह संविधान के बहाने चर्चा में हैं। विवाद अब तो गहराता जा रहा है। अफ्रीकी देश जहाँ वर्षों से रंगभेद के खिलाफ संघर्ष होते हैं वहां भी उस देश के संविधान या उसके निर्माता कौन थे, इस पर बहस नहीं होती लेकिन मध्य प्रदेश में हो रही है कि हमारे देश के संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर नहीं थे। कुछ दिन पूर्व मैं एक आलेख लिख रहा था डॉ. अम्बेडकर के धम्मचक्र प्रवर्तन की अंतर्यात्रा। इस आलेख लिखने के दौरान मुझे पता चला कि डॉ. अम्बेडकर ने स्वयं को संविधान निर्माता कहा है। रंगून में उन्होंने एक भाषण दिया था उसका अंश है कि मैं भारतीय संविधान का शिल्पकार हूं। मैंने वह संविधान बनाया है। एक बात यह कि उसमें पाली भाषा के उत्थान का प्रबंध मैंने कर रखा है, और, दूसरी बात यह कि, राष्ट्राध्यक्ष के राजवाड़े के ऊपर गौतम बुद्ध के उपदेशों में से पहला चरण धम्मचक्र परिवर्तन लिख दिया है। यह डॉ. अम्बेडकर सम्पूर्ण वांग्मय के 40वें खंड में उद्धृत है जहाँ डॉ. अम्बेडकर ने संविधान का शिल्पकार स्वयं को बताया है।

अब जब मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता अनिल तिवारी यह कह रहे हैं कि डॉ. अम्बेडकर संविधान के शिल्पकार नहीं थे बल्कि बी. एन. राव थे तो अस्पृश्य समाज का प्रतिरोध शुरू हो गया है। दलित समाज के लोगों ने न केवल रोष व्यक्त किया बल्कि एडवोकेट अनिल तिवारी के ऊपर मुक़दमा भी दर्ज करवाया। बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। दलित समाज में गुस्सा है। यह विषय अब आपसी रंजिश का कारण दलितों और ब्राह्मणों के बीच बनती जा रही है। इस सब के पीछे कौन है, यह तो नहीं पता लेकिन इससे समाज में अस्थिरता और आपसी तनाव तो बढ़ा है। मध्य प्रदेश में ऐसे अनेक प्रकरण हाल के वर्षों में सामने आए जिस पर अफ़सोस जाताना नाकाफी है। दलितों के साथ किया जाने वाला सामंती व संभ्रांत अभिजात्य समाज का बर्ताव बहुत ठीक नहीं रहा है। संभ्रांत बड़ी जातियों के लोगों ने दलितों को हिंसा

का शिकार बनाया। उन्हें मारा। अभद्र टिप्पणी की। यह सब मीडिया में बातें आयीं और चली भी गयीं किन्तु दलितों का सशक्तीकरण न आया और न आने वाला है।

यह जो दलित बनाम संभ्रांत ऊंची जातियों का आपसी तनाव है डॉ. अम्बेडकर के संविधान योगदान को लेकर यह भी एक ऐसी घटना बनने जा रही है जो निरंतर आगे चलती रहने वाली है। सच तो यह है की न ही बी। एन। राव ने संविधान बनाया और न ही डॉ. अम्बेडकर ने। संविधान को निर्मित करने वाली संविधात्री सभा थी। संविधान को निर्माण करने वाली विभिन्न समितियां थीं और उसमें देश के अनेक प्रतिष्ठित लोग सम्मिलित हुए थे। इसका श्रेय कोई एक व्यक्ति ले ही नहीं सकता। ड्राफ्टिंग कमिटी इसलिए महत्वपूर्ण मानी जाती है क्योंकि इसको सही स्वरूप विभिन्न बहस के बाद इसी समिति द्वारा दिया गया। यह बात भूलने वाली नहीं है कि इस पूरे संविधान निर्माण में स्त्रियों का भी अहम् योगदान था। देश की 15 महिलाओं ने भी इस संविधान के निर्माण में अपना बौद्धिक सहयोग दिया है। इसलिए यह बात तो एक सिरे से ख़ारिज की जानी ही चाहिए और सभी को यह स्वीकार भी करना चाहिए कि भारतीय संविधान एक कलेक्टिव एफर्ट्स का नतीजा है और इसमें प्रतिबिंबित सभी तत्व भारतीयता से जुड़े हैं और सबके अधिकारों व कर्तव्यों से जुड़े हैं।

आज़ादी के अमृत काल से आगे बढ़ती आज़ की आबादी न आजने क्यों संविधान किसने बनाया और किसने नहीं बनाया, इस विवाद में उलझती जा रही है जबकि भारत में वैसे भी अनेक ऐसे मुद्दे हैं जिसका निराकरण व समाधान ज़ल्दी हो जाए तो अच्छा होगा। देश में जो सबसे ज़रूरी बदलाव हो सकते हैं उस पर काम करने के बजाय इस बात पर बहस हो रही है कि संविधान किसने बनाया। डॉ. अम्बेडकर ने अपना जो भाषण दिया था संविधान सभा में समापन भाषण उसमें वह एक बात कहते हैं कि गाँव में आग लगी है और कहर मस्त हैं नाचने में। आज़ के भारत में कुछ ऐसा ही महसूस किया जा सकता है। यह कौन बनाया, कौन नहीं बनाया, बहस ही बेवजह की है। जिसने भी बनाया, संविधान बना। वैसे भी इस संविधान को प्लैगरिज्म का शिकार माना जाता है किन्तु संविधान है तो वह अपने लागू होने से मौलिक माना ही जा रहा है। इस संविधान के विनिर्मिति की बहस से ज्यादा ज़रूरी है कि देश में ज़रूरी मुद्दे व घटनाएँ जो देश की संप्रभुता, इसके एकत्व व समरसता को खंडित करने पर लगे हुए हैं, उससे निपटा जाए। डॉ. अम्बेडकर की वह कहावत कहारों वाली आज के समाज पर भी लागू होती है।

अब भारत एक ऐसे मोहाने पर खड़ा है जहाँ प्रतिस्पर्धा करने का हमें आमंत्रण है। किसी भी जाति धर्म लिंग व भाषा के हम हों हमें अपने संविधान व संवैधानिक मूल्यों के साथ जीने की आदत डालनी चाहिए। सबसे ज़रूरी है कि दलित यह दावा न करें कि संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर हैं और सवर्ण न कहें कि डॉ. अम्बेडकर देशद्रोही थे और उन्होंने संविधान नहीं लिखा यह संविधान बी। एन। राव ने बहुत पहले लिख दिया था। यह बेकार की बाते हैं। इससे देश को मिलने-जुलने वाला नहीं है। देश को बहुत आगे ले जाना है। विश्व के साम्राज्यशाली देशों से भारत को बहुत से मोर्चे पर लड़ना है और साबित करना है। राष्ट्र की अवनति करना हो तो ज़रूर इस प्रकार के विषयों पर बहस हो और देश को पतन के रास्ते पर झोंक दिया जाए। इस विषय को लेकर ध्रुवीकरण की राजनीति बिल्कुल भारत के लिए ठीक नहीं है। राजनीतिक दल ऐसे विवादित संभाषण करने वालों और आरोप-प्रत्यारोप करने वालों का वहिष्कार करें तो अच्छा होगा।

जब संविधान अंगीकार किया गया तो डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने हृदय से सम्मान किया था डॉ. अम्बेडकर का और उनकी प्रशंसा की थी। उन दिनों इस तरह का कोई विवाद नहीं आया की डॉ. अम्बेडकर आपने संविधान नहीं बनाया इसे तो बी। एन। राव ने बनाया। आज के लोगों का दिल बड़ा नहीं है और दिमाग भी बहुत संकुचित हो गया है। ऐसे में भारत का भविष्य ही एक अंधकार के आगोश में इन कृत्यों से बढ़ चला है। यदि इसे सही से रोका नहीं गया तो यह विवाद आने वाले समय में कई प्रकार की हिंसा का कारण बनेगा।

पर्यावरण

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखक शोधार्थी हैं।

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुँच जाती है।

कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं।

पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूँठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन् 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल-प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन् 2009 में पंजाब में 'उप-जल संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके।

परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज़ और सस्ता उपाय—जलाना—चुन लेते हैं।

दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए—जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर—वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हज़ार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीज़ल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है।

तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब-हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती।

चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं। सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है। कानूनों और जुर्मानों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हज़ार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुर्माना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे।

अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है?

स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले।

पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान-गेहूँ चक्र से थक चुकी है। जल स्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की 'भावांतर भरपाई योजना' इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है।

दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के स्तर पर 'कस्टम हायरिंग केंद्र' स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की 'फसल अवशेष प्रबंधन योजना' के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बने, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे।

तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज़, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाज़ार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए।

चौथा कदम होना चाहिए कृषि-पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.-126 या डी.आर.आर. धान-44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है।

इसके साथ-साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल-सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा।

पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता। पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और 'शून्य दहन ग्राम' घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 'पूसा डीकंपोजर' नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी।

छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति-समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

सातवाँ, शहरी-ग्रामीण सहभागिता भी इस दिशा में उपयोगी होगी। दिल्ली जैसे महानगर जहाँ प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब-हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इससे प्रदूषण के स्रोत और पीड़ित क्षेत्र के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। इसके साथ-साथ तकनीकी निगरानी प्रणाली को भी सशक्त बनाना चाहिए। उपग्रह आधारित आँकड़ों से पराली जलाने की घटनाओं की त्वरित जानकारी मिल सकती है, जिससे स्थानीय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप कर सके। परंतु यह हस्तक्षेप केवल दंडात्मक न होकर सहयोगात्मक होना चाहिए।

इन सभी उपायों का उद्देश्य यह है कि किसान को दोषी नहीं बल्कि भागीदार बनाया जाए। किसान पराली इसलिए जलाते हैं क्योंकि उनके पास व्यावहारिक विकल्प नहीं हैं। जब उन्हें ऐसे विकल्प मिलेंगे जो सस्ते, लाभकारी और पर्यावरण के अनुकूल हों, तो वे स्वयं इस समस्या के समाधान का हिस्सा बनेंगे।

अंततः यह समझना होगा कि पराली जलाना केवल पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि सामाजिक-आर्थिक असंतुलन का परिणाम है। इसे रोकने के लिए किसानों के कल्याण, नीति सुधार और तकनीकी समर्थन का समन्वय आवश्यक है। यदि पराली को ऊर्जा, उद्योग और जैविक खाद के रूप में उपयोग में लाया जाए, तो यह प्रदूषण का कारण नहीं बल्कि विकास का साधन बन सकती है।

पराली जलाने की समस्या का समाधान केवल प्रतिबंधों और दंड से नहीं, बल्कि संवेदनशील नीति, किसानों की सहभागिता और तकनीकी नवाचार से निकलेगा। जब फसल विविधीकरण, यंत्रीकरण, पराली का औद्योगिक उपयोग और सामुदायिक प्रोत्साहन एक साथ काम करेंगे, तब ही स्वच्छ वायु और सुरक्षित कृषि दोनों संभव होंगी। यह संतुलन ही उत्तर भारत को पराली की आग से मुक्त करने और टिकाऊ कृषि विकास की दिशा में अग्रसर करने का एकमात्र मार्ग है।

घड़ी-घड़ी में बदलती है घड़ी

कटाक्ष

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

घड़ी समय सूचक है जिसे हाथ में पहनना कभी शान की बात थी। ये हर दूल्हे की कलाई पर सगाई के समय सजाई जाती थी। नामी कंपनियों से दूल्हे की हैसियत का मूल्यांकन होता था। लोग पूछते थे कौन सी कम्पनी की मिली।हाथ पकड़कर देखते थे। वक्त बदला तो दुनिया बदल गई। घर-घर में दीवार पर लगी घड़ी के दिन भी चले गये।जो कभी उपहार लेने-देने,कम्पनियों के प्रचार-प्रसार का आधार थी,उसकी प्रतिष्ठा को भारी क्षति पहुंची।घड़ी घड़ी में चेहरा बदलने वाली घड़ी की अपनी दुनिया बदल गई।जैसे जीवन में कोई एक घड़ी आदमी के साथ खेला कर जाती है। मोबाइल के आविष्कार और चलन ने उसे अपने आंचल में छुपा लिया। घड़ी मोबाइल में घुस कर रह गई तो फिर लोगों ने घड़ी पहनना ही छोड़ दिया। अब घड़ी की पहले जैसी इज्जत भी नहीं रही। लेकिन घड़ी समय की माप भी है और सामान्य जीवन में हर घड़ी का महत्व है। ज्योतिष शास्त्र में घड़ी का अंतर मायने रखता है।दो चार घड़ी के फर्क से लग्नकुंडली या उसमें विराजित ग्रहों की अंश-दशा में बड़ा परिवर्तन आ जाता है। कुछ ग्रहों के तो भाव ही बदल जाते हैं। इससे धार्मिक व्यक्ति के ग्रह भी कामचोर या कलंकी होने की सूचना देने लगते हैं। इसलिए जन्म कुण्डली की शुद्धता के लिए एक एक घड़ी पर बल दिया जाता है अन्यथा फलित में अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

प्रतीक्षारत व्यक्ति घड़ी-घड़ी अपनी घड़ी को देखता है और घड़ी घड़ी अपनी ही घड़ी देखकर अपने ऊपर झल्लाता है जबकि समय पर या सामने वाले पर उसका कोई नियंत्रण नहीं होता। लेकिन उस घड़ी उसका ध्यान इस ओर नहीं जाता।ऐसी घड़ी में व्यक्ति विशेष का व्यवहार घड़ी तोला-घड़ी माशा होने लगता है। यह स्वाभाविक है, मनोवैज्ञानिक भी। मतगणना के समय हर दौर की गणना के बाद ऐसी स्थितियां निर्मित

होती रहती हैं। ऐसे विकट समय में नेता और उनकी सच्चे-झूठे अनुयायी एक-एक घड़ी गिनने को विवश हो जाते हैं। वे चाहते हैं कि परिणाम इसी घड़ी निकल आए क्योंकि कौन सी घड़ी उनके लिए भारी हो जाये कहा नहीं जा सकता। नेताजी की हार-जीत उनके लिए जीवन-मृत्यु के समान होती है। ऐसी विषम परिस्थितियों में घड़ीसाज़ भी उनकी कोई मदद नहीं कर पाता और जैसा चाहते हैं उस घड़ी वैसा नहीं होता। अंतिम परिणाम आते ही कुछ के लिए घड़ी में घड़ियाल आ जाता है और कोई कुछ नहीं कर पाता। कोई कोई घड़ी बहुत भारी होती है। हमारे बुजुर्ग तो घड़ी और दिशाशूल देख कर ही घर से निकलते थे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

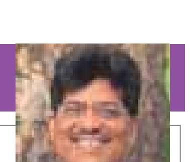

मुकेश नेमा

लेखक एमपी के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

फाइलों को निपटाने के अफसरी तरीके

अफसरों और फाइलों का आपस में बडा गहरा रिश्ता होता है। मियाँ बीबी जैसा रिश्ता है ये। अफसर और फाइलें एक दूसरे के बिना जिंदा नही रह सकते। बिना फाइलों के अफसर, अफसर नहीं माना जाता। परम्परा अनुसार अमीर और आकर्षक फाईलें हमेंशा अफसरों की प्राणप्रिया बनी रहती है और जो फाइल मामूली किस्म की होती है वो अफसर की निगाह से उतर जाती है और तिरस्कृत हो धूल खाती किसी रसोई टाईप रैक में पडी रहती है।

जैसे किसी एक इंसान के फिंगर प्रिंट दूसरे से नहीं मिलते उसी तरह हर बडे अफसर का फाइलें निपटाने का तरीका भी दूसरे अफसर से बिल्कुल अलग होता है। अफसर अपने फाइलों को निपटाने के तरीके से जाने जाते है और उनके पास फाइलें भेजने वाले जूनियर अफसर को पहले से पता होता है कि बडा साहब इस फाइल से कैसे पेश आयेगा।वो हर चतुर मातहत जो अपने सीनियर और फ़ाईलों का रिश्ता भाँप जाता है सदैव सुखी और समृद्ध बना रहता है।

जिलों में काम करते वक्त एक ऐसे कलेक्टर मिले मुझे जिन्हें हमेशा यह लगता था कि जूनियर ऑफिसर उनसे कम ज्ञान रखते हैं, ऐसे में वो उत्तर के प्रस्ताव को दक्षिण की तरफ मोड कर खुश हो लिया करते थे। मैं चतुर आदमी उनकी इस अदा पर फिदा हुआ, उनके रहते दक्षिण दिशा वाले प्रस्ताव भेजता रहा जो हमेंशा मेंरी मनचाही उत्तर दिशा वाले होकर वापस लौटे।

एक खेलते कूदते अफसर ऐसे भी मिले मुझे जो भारी कला प्रेमी थे। इतनी सारी कलायें मंडराती थी उनके चारों तरफ कि मुझे उनसे रश्क होता था। इन साहब को फाइलों से इस कदर एलर्जी थी कि ये नामाकूल टाईप का काम उन्होने अपने कुछ जूनियर ऑफिसरो के हवाले कर रखा था।ये बस गाते थे ,बजाते थे और खाते थे।ऐसे अफसर अपने मातहतो में भारी लोकप्रिय होते है।मैं उन सा बनना चाहता था ! पर वो देर से मिले मुझे।मैं जो बन सकता था उनसे मिलने के पहले ही बन चुका था।

एक जिले में ऐसे भी कलेक्टर थे जिन्हे लगता था कि फाइलों को छूत की बीमारी होती है और उन्हे छूने भर से उनकी जान के लिये आफत खडी हो सकती है।ऐसे में वो टेबल पर पडी फाइलों को केवल दूर से ,निर्लिप्त भाव से देखते थे। फ़ाईलें लगातार आती थी ,टेबल पर जमा होती रहती थी और जब वो टेबल से गिरना शुरू हो जाती थी तो उनका चपरासी उन्हे सहेज कर संबधित जूनियर ऑफिसर को लौटा आता था।इन कलेक्टर साहब के प्रति मेंरा मन आज भी श्रद्धा से भरा हुआ है ,मैने उनसे सीखा कि बिना फाइलों को छुए भी नौकरी की जा सकती है।फ़ाईलों को ना छूने वाले उन लोगो से ज्यादा सुखी रहते है जो इनमें घुसे रहते है।ये अफसर आजकल वल्लभ भवन में है ,फाइलों के प्रति उनके विचार आज भी पहले जैसे ही है और वो अभी जमाने भर को दुखी करते हुये सुख से जीवन व्यतीत कर रहे है।

इनसे उलट मेंरे एक बडे अफसर ,फाइलों को अपनी टेबल पर पाँव जमाने का मौका ही नही देते थे।चपरासी ,फाइलों का फीता खोलने के लिये तरस जाता था उनका।उनका मानना था कि सौ में से निन्यानवे फाइलें पढने लायक नही होती।उन्हें पूरा भरोसा था कि उनके जूनियर अफसर सारी फाइलें पढकर ही उन तक भेजते है।अपनी इन धारणाओ के चलते वो फाइलों पर केवल साईन करते थे।और अपना ध्यान फाइल करने से जरूरी दूसरी चीजो पर केन्द्रित करते थे। ये वाले साहब भी नौकरी पर्यन्त सुखी बने रहे ,रिटायर होने के बाद एक सरकारी उपक्रम के अध्यक्ष हुए और उनका सुखी रहना अब भी जारी है।

एक ऐसे अफसर के साथ काम करने का भी सौभाग्य हासिल हुआ मुझे, जिन्हें लगता था फाइलों को निपटा देना उन्हें मार डालने के बराबर का पाप है।अपनी इसी सोच के चलते वो फाइलों पर लगातार क्वैरी करते रहते थे।फ़ाईलों पर सवाल पूछने को लेकर उन्हे महारत हासिल थी।उन्होंने कभी किसी फाइल को ना नही कहा ,और हाँ कहे ऐसा कभी होता नही था।उनकी इसी अच्छी सोच के चलते उनके कार्यकाल में फाइलें जीती रही और दीर्घायु हुई।ये साहब खुद भी लंबे समय से जी रहे है। अब रिटायर हो चुके और सरकार हर महीने एक मोटी रक़म बतौर पेंशन इनके खाते में जमा करती है।

एक और अफसर ऐसे भी थे जो फाइलों के शरलॉक होम्स थे। सामने आई हर फाइल को संदिग्ध भाव से देखते थे।किसी भी फाइल को खोलने के पहले ही उन्हे पक्का भरोसा होता था कि इसमें जरूर कोई लोचा है।वो उसे खोलते थे।एक बार दो बार और बहुत बार तीसरी बार भी पढते थे। फिर उस पर चर्चा करें ,नियम सहित रखे ,स्पष्ट करे ,अलाने या फलाने दस्तावेज के साथ रखें ,जैसे शाश्वत वाक्य लिखकर उसे परे खिसका देते थे।जूनियर अफसर जानते थे कि साहब की ऐसी सूखी चर्चा करने में या नियम देखने में कतई दिलचस्पी नही है ऐसे में वो उस आदमी से चर्चा करता था जिसकी जान उस फाइल में फंसी हो।फ़ाईलों के निराकरण का यह तरीका हमारे ऑफिसो में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है।फाइलों को निपटाने के ये तरीके मै खुद वक्त जरूरत, मौके की नजाकत के हिसाब से बदल बदल कर आजमाता रहता हूँ। निरंतर सुखी बना रहा हूँ अब तक और पूरी उम्मीद है कि आगे भी सुखी बना रहूँगा।

पुस्तक चर्चा

डॉ. बृजेश त्रिपाठी

समीक्षक प्रगतिशील लेखक संघ रीवा इकाई के महासचिव हैं।

हमारे समय की हक़ीक़त है बज़्म-ए-हयात

ये अशयार बताते हैं कि उनके सामाजिक सरोकार स्पष्ट हैं। यहां सियासत और सत्ता की तल्ख सच्चाई है। 'रिपु' की ग़ज़लें एक ऐसे वातावरण की संरचना करती हैं जहां, सहाफ़त, समंदर, नारेबाजी, विकास, मज़हब, सियासी पर्यावरण, परिदें, मौत, ज़िन्दगी, कश्मीर, हिन्दुस्तान, सफ़र, पांव, बरगद, मनरेगा, सरपंच, पटवारी, आदि ऐसे बिम्ब हैं जो सब निचोड़ कर रख देते हैं। हमारे समय की हक़ीक़त है बज़्म-ए-हयात।

समकालीन कविता सा तेवर और अंदाज है, रमेश कुमार 'रिपु' के दूसरे ग़ज़ल संग्रह बज़्म-ए-हयात में। जो कि एक वर्ष बाद आया। शीर्षक का यदि शाब्दिक अर्थ देखें तो वह जीवन के मंच से ताल्लुक रखता है।

पेशे से पत्रकार रमेश कुमार 'रिपु' की ग़ज़लों में अपने समय के हक़ीक़त की वजह से तकरार और इसरार दोनों है। इनका अंदाज़-ए-बयां अलग हटकर है। सांप-सीढ़ी वाली सियासत का अंदाज़ और आम आदमी की छटपटाहट को देखकर तल्ख अंदाज़ में वे कहते हैं-

हमारे वतन में यारों, जब भूखमरी आबाद है
गांधीवाद की बात, मुल्क में बे-बुनियाद है
सियासी लिबास उतार दें, तब आप समझेंगे
ये चश्में-अश्क नहीं, जख्मे दिल के मवाद हैं।

ये अशयार बताते है कि उनके सामाजिक सरोकार स्पष्ट हैं। यहां सियासत और सत्ता की तल्ख सच्चाई है। 'रिपु' की ग़ज़लें एक ऐसे वातावरण की संरचना करती हैं जहां, सहाफ़त, समंदर, नारेबाजी, विकास, मज़हब, सियासी पर्यावरण, परिदें, मौत, ज़िन्दगी, कश्मीर, हिन्दुस्तान, सफ़र, पांव, बरगद, मनरेगा, सरपंच, पटवारी, आदि ऐसे बिम्ब हैं जो सब निचोड़ कर रख देते हैं। हमारे समय की हक़ीक़त है बज़्म-ए-हयात। इनकी अभिव्यक्ति का यह संसार पाठक को अपनी ओर खींचता है-

संसद की मजबूरी, ये कह भी नहीं सकती
कुर्सी के लिए कौन, दंगे फ़साद कराता है
अपनी दादागिरी,यूं सरे बाज़ार दिखाता है
है नहीं उंगलियां, मगर उंगली दिखाता है।

पत्रकारिता से गहरा संबंध होने के बावजूद बज़्म-ए-हयात के माध्यम से वर्तमान समय के संकट, विद्रूपताएं, समय के सवाल और राजनीतिक विसंगतियों के अनेक चित्र उकेरे हैं। साहसी इस अर्थ में कि सत्ता की विद्रूपताओं और विसंगतियों को इंगित करना और आम आदमी के पक्ष में खड़ा होना समय के किसी भी कालखण्ड में साहस का काम होता है-

सियासत के लबों पर, नारों की मुस्कान
रोटी के लिए,अनशन पर बैठा हिन्दुस्तान
गुंडे मवाली की बातों में खत्म हुई संसद
घोटाले की सड़कों पे, फिसला संविधान।

इतिहास पर दृष्टि डालें तो हम पाते हैं कि सिर्फ साहित्यकार ही नहीं, अपितु पत्रकारों के रचनात्मक लेखन ने भी साहित्य जगत की श्री वृद्धि में भी अहम भूमिका निभाए हैं। इस संग्रह को पढ़ते हुए ग़ज़ल की नई तहजीब और नए अंदाज में प्रस्तुतीकरण अपनी ओर बरबस ही ध्यान आकृष्ट करता है। साहित्य कठिन से सरल की ओर अभिव्यक्ति का प्रवाह है। यह एक सरल प्रस्ताव है, जिसे सिद्ध करना आसान है, और जिसका खंडन करना भी आसान है। इस संकलन में सियासत पर अधिक अशआर लिखे गए हैं। आम आदमी के प्रेम और ज़िन्दगी में भी सियासत की छाया है-

कागज की नाव नदी में चला के देखो
पहली मुहब्बत है, तो अजमा के देखे
अच्छे दिनों का खिलौना, तुम्हें मिला है
खामोश क्यों हो, अब इसे बजा के देखो।

राजनीतिक संदर्भ में शायर की चेतना अन्य ग़ज़लकारों से कुछ अलग जान पड़ती है। एक रचनाकार के रूप में पत्रकार समाज के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। इसलिए 'रिपु' बखूबी जानते हैं कि सत्ता का वास्तविक चाल, चरित्र और चेहरा क्या है या उसके काम करने का तरीका क्या है? यदि सियासत अपना काम ईमानदारी से करती तो शायद लेखक को उसे आईना दिखाने की जरूरत न पड़ती। सत्ता को आईना दिखाना बहुत ही हिम्मत का काम है। जिस लेखक में व्यक्तिगत ईमानदारी का तत्व विद्यमान नहीं है उसका लेखन महज दिखावा है। सियासत की ईमानदारी पर प्रश्नांकन करते हुए 'रिपु' कहते हैं-

सहाफत रखैल हो गई अब सियासत की
आठवें कालम में है ख़बर आदमियत की
जो ग़ज़ल वोदका पी चुकी है, उससे पूछो
रोटी के लिए सरकार से,कब बगावत की।

सत्य को जानने के लिए गहराई में उतरना। आवश्यक है क्योंकि सत्य कभी भी छिछला नहीं होता। 'रिपु' की ग़ज़लों में वर्तमान की हक़ीक़त को हूबहू बयां करने का अदम्य सामर्थ है। मानवीय गुणों को पुर्नस्थापित करने की दिशा में जैसे संजीदा और जिम्मेदार रचनाकारों को पढ़ना बेहद जरूरी हो जाता है क्योंकि आने वाले समय की सार्थकता तथा निरर्थकता को तय करने और भविष्य को सुंदर बेहतर और सार्थक बनाने में ऐसा साहित्य ही कारगर है। एक उदाहरण देखें-

उस राह पर चलें,जहाँ दो दिल जुड़ जाते हैं
वो बातें न करें, जिससे रिश्ते बिगड़ जाते हैं।

अनुभूत सत्य को ही साहित्यकार अपने शब्दों में पिरोकर कहानी कविता, ग़ज़ल, व्यंग्य आदि रचना के रूप में समाज के समक्ष प्रस्तुत करता है। ऐसी रचनाओं में रचनाकार का निजी दृष्टिकोंण सृजनात्मक कौशल विश्वास और वैचारिकता समाहित रहती है। साहित्य समाज सापेक्ष होता है इस कारण से उसकी सात्विकता को बनाए रखना साहित्यकार की अहम जिम्मेदारी है। अंधानुकरण और आधुनिकता की आँधी में हम अपने संस्कारों से जुदा होते जा रहे हैं, यह भी 'रिपु' की चिंताओं में शुमार है। माँ के निश्छल और निःस्वार्थ प्रेम को अपनी ग़ज़लों में रेखांकित करते हुए कहते हैं-

माँ की कथरी में हीटर सी गर्मी थी
सीमेंट के घर रजाई में भी काँपते
किताबों की इबारत में भूल गए हम
आम सी खट्टी और मीठी-मीठी बातें।

'रिपु' की लेखन की संभावनाओं का आकाश विस्तीर्ण है। संग्रह की ग़ज़लें थोड़े में बड़ी बात कह जाती हैं। हर भारतवंशी की तरह शायर भी देश में अमन, चैन और समृद्धि चाहते हैं। दुआ कुबूल हो जाए यही हम सबकी चाहत है-

आओ दुआ करें, सियासी आदमी हो जाए
मुल्क की जमीं, थोड़ी हरी -भरी हो जाए
मुहब्बत का ताजमहल यादों का मकबरा है
तेरा मेरा प्यार, गंगा गोदावरी हो जाए।

साहित्य

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

मृत्युंजय : दानवीर कर्ण के अंतर्द्वंद्व का प्रतिबिंब

महाभारत के साथ एक और प्रमुख पुस्तक 'मृत्युंजय' में लेखक शिवाजी सावंत ने खासतौर पर कर्ण के चरित्र की अनुपम व्याख्या की है। इसमें उनके सूर्यपुत्र होने, द्रोपदी द्वारा जन्म से ही उनका परित्याग कर देने से लेकर उन्हें गंगा में बहते हुए सुरक्षित निकालकर माता पिता बने अधिरथ और राधा द्वारा उनका पालन-पोषण करने से लेकर कौरवों के साथ जुड़कर उनका सदैव साये की तरह साथ निभाने का वर्णन है। यह पुस्तक मूल रूप से मराठी में लिखी गई लेकिन इसका हिंदी संस्करण भी अद्भुत है जिसे मैंने स्वयं भी चार-पांच बार पढ़ा लेकिन हमेशा फिर से पढ़ने की इच्छा बलवती हुई। यह अनूठी पुस्तक मेरे पास थी भी लेकिन जैसा कि आमतौर पर होता रहा है एक-दूसरे के हाथों से होते हुए कभी वापस नहीं लौटी।

महाभारत के प्रमुख पात्र दानवीर कर्ण को लेकर पिछले दो दिन से अखबारों और सोशल मीडिया बहुत कुछ आ रहा है। महाभारत सीरियल में कर्ण की यादगार भूमिका निभाने वाले पंकज धीर के निधन से जिन लोगों ने भी महाभारत सीरियल को देखा होगा उन्हें अवश्य उनके कसे हुए रोल और कर्ण के जीवन की ऊहापोह तथा अंर्तद्वंद्व का स्मरण हुआ होगा।

मूल महाभारत में कर्ण को दानवीर, बलशाली, दुर्योधन कैसा भी हो लेकिन उसका साथ हर स्थिति में निभाने वाले, दूसरी ओर अपने प्रतिद्वंद्वी गांडीवधारी योद्धा और भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय सखा अर्जुन से सदैव शत्रुता रखने वाले के रूप में वर्णित किया गया है। महाभारत में कर्ण के व्यक्तित्व और उनके शौर्य, दानशीलता का अद्भुत वर्णन है।

महाभारत के साथ एक और प्रमुख पुस्तक 'मृत्युंजय' में लेखक शिवाजी सावंत ने खास तौर पर कर्ण के चरित्र की अनुपम व्याख्या की है। इसमें उनके सूर्यपुत्र होने, द्रोपदी द्वारा जन्म से ही उनका परित्याग कर देने से लेकर उन्हें गंगा में बहते हुए सुरक्षित निकालकर

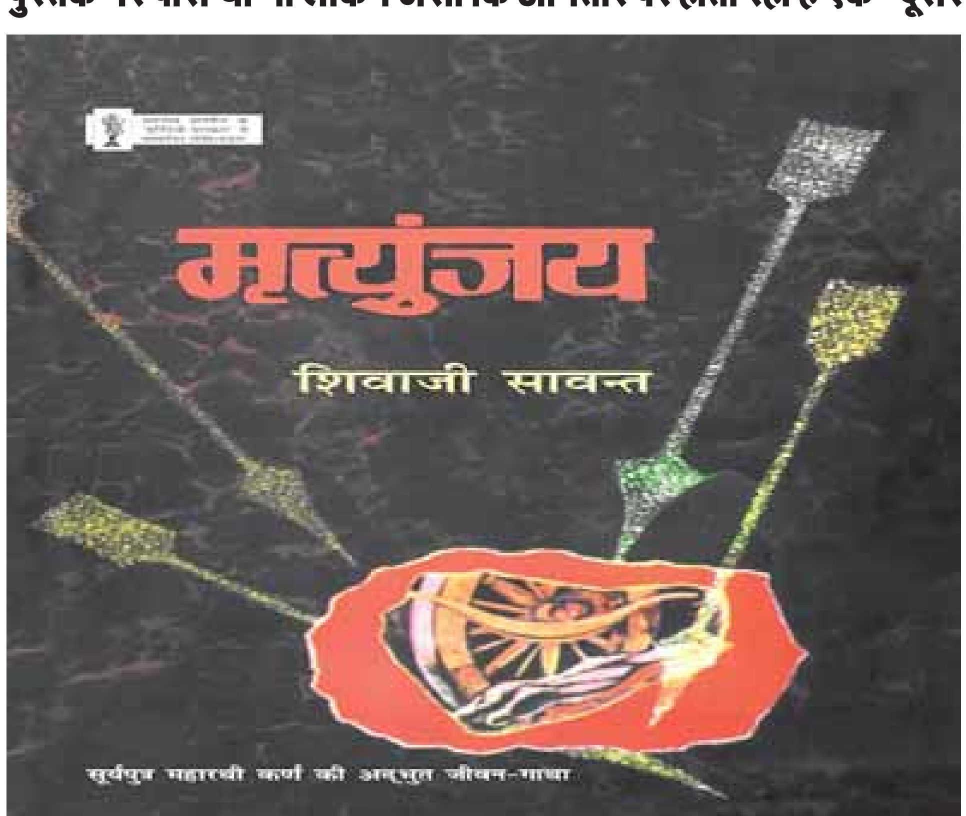

माता-पिता बने अधिरथ और राधा द्वारा उनका पालन-पोषण करने से लेकर कौरवों के साथ जुड़कर उनका सदैव साये की तरह साथ निभाने का वर्णन है। यह पुस्तक मूल रूप से मराठी में लिखी गई लेकिन इसका हिंदी संस्करण भी अद्भुत है जिसे मैंने स्वयं भी चार-पांच बार पढ़ा लेकिन हमेशा फिर से पढ़ने की इच्छा बलवती हुई। यह अनूठी पुस्तक मेरे पास थी भी लेकिन जैसा कि आमतौर पर होता रहा है एक दूसरे के हाथों से होते हुए कभी वापस नहीं लौटी।

हालांकि आजकल पढ़ने लिखने के प्रति रुचि रुझान निरंतर कम होता जा रहा है इसलिये शायद इस कालजयी रचना को भी अनेक लोगों ने नहीं पढ़ा होगा आज की जनरेशन शायद इसके बारे में अनभिज्ञ हो लेकिन मुझे फिर भी उम्मीद है कि सुधी पाठकों में से अनेक ने इसे पढ़ा और समझा भी होगा। दानवीर कर्ण ने कैसे ब्राह्मण का रूप धारण कर भगवान परशुराम से शस्त्र विद्या प्राप्त की और अंततः परशुराम जी को सच्चाई ज्ञात होते ही उनके द्वारा दिया गया श्राप कैसे कर्ण की मृत्यु का कारण बना?

इसी प्रकार कर्ण से कवच कुंडल दान में हासिल कराने में भगवान श्रीकृष्ण की युक्ति और इसमें द्रोपदी की भूमिका तथा अन्ततोगत्वा अपने रथ के पहिये को फंसने पर निकालने के दौरान निहत्थे कर्ण का वध तथा इसमें भी भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई भरी भूमिका का उल्लेख बहुत सुंदर तरीके से किया गया है। हालांकि यह भी सच है कि सम्पूर्ण महाभारत कथा और कौरव पांडव के बीच युद्ध श्रीकृष्ण के इर्द-गिर्द ही घूमता है। यह भी कि श्रीकृष्ण पांडवों का साथ नहीं देते तो उनके लिए महाभारत युद्ध में विजय हासिल करना दूभर ही होता।

जब समय मिले महाभारत के साथ मृत्युंजय नामक कालजयी रचना एक बार अवश्य पढ़ियेगा।

वक्रोक्ति

शशांक भारतीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भारत के अवेंजर बाबूमैन, कोचिंग संस्थानों में खुशी की लहर

अवेंजर्स हेडक्वार्टर्स में आपातकालीन बैठक चल रही थी कि दुनिया को बचाने के लिए अब विश्व को एक नए अवेंजर की जरूरत है और यह नया महायोद्धा अर्थात एवेंजर भारत से होना चाहिए। चूँकि अब कैप्टन अमेरिका दुनिया में नहीं रहे और अमेरिका दुनिया का कैप्टन भी नहीं रहा तो एक नए एवेंजर की जगह तो बनती है। यूनाइटेड नेशन्स की परमानेंट काउंसिल में न सही, अवेंजर की टीम में तो भारत को जगह मिलनी ही चाहिए, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाज़ार है और यहाँ का युवा वोट दे न दे टीआरपी तो दे ही सकता है। एवेंजर की टीम इस पर मंथन कर रही थी कि अगला सुपर हीरो भारत से कौन हो? सुपर हीरो का जिक्र हुआ ही था कि भक्तगण पागल हो गए कि भारत में सुपरहीरो तो सिर्फ एक ही हैं और अगला एवेंजर तो उन्हीं को ही होना चाहिए। वो जिनका नाम नहीं लिया जा सकता और जो न भूतो न भविष्यति हैं, भारत के इकलौते सुपरहीरो हैं और उन्हें अवेंजर ही नहीं अवेंजर्स का लीडर होना चाहिए। प्रस्ताव हुआ ही था कि सोशल मीडिया पर ट्वीट सैलाब उमड़ पड़ा, बॉलीवुड के सितारे मुमकिन है मुमकिन है कहकर रील डालने लगे और कॉरपोरेट लॉबी एवेंजर्स की पार्टी के धड़ाधड़ इलेक्ट्रोरल बांड खरीदने लगी। भारत से बात उठी ही थी कि इतने में इस प्रस्ताव को अंतर्राष्ट्रीय समर्थन आने लगा। जाँच की गई तो पता चला कि अंतर्राष्ट्रीय समर्थन कराची और लाहौर से भारतीय न्यूज चैनल्स भेज रहे थे जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वहाँ गए थे और वहाँ का कब्जा छोड़ने को किसी कीमत पर तैयार नहीं थे। इस अंतर्राष्ट्रीय दबाव से अवेंजर्स की कमेटी बहुत पशोपेश में पड़ गई। कमेटी को सकते में आया देख भारतीय इलेक्शन कमीशन ने मदद की पेशकश भेजी कि,'अगर अनिर्वचनीय जी के चुनाव में कोई दिक्कत आ रही है तो हम कुछ मदद करें?' लेकिन एवेंजर्स कमेटी ने नोबल प्राइज कमेटी की तरह ही सूझबूझ से काम लिया कि सत्ता के केंद्र को हम सीधे-सीधे प्राइज नहीं दे सकते हैं आखिर हमें अपने निष्पक्ष होने के भ्रम को भी बरकरार रखना है। इसलिए एवेंजर के रूप में हमें किसी नए आदमी को लेना चाहिए।

नया आदमी कैसा हो, उसकी पावर्स क्या हों, स्वभाव कैसा हो, अब इस पर विचार होने लगा। चर्चा चली कि भारत के लोग स्वयं को विश्वगुरु कहते हैं, इसलिए वहाँ से हमें कोई गुरु आदमी ही लेना चाहिए, जो हर मामले में सबका गुरु हो! तो क्या किसी बाबा को एवेंजर बनाया जाए? बाबाओं की भारत में बहुतायत है और वहाँ नित्यप्रति क्वांटम भाँग फूँकने वाले अंग्रेजी बाबा से लेकर हाथ की सफाई दिखाने वाले करतबी बाबा भी हैं। ईश्वर के संदेश की मीमांसा करने वाले बाबा से लेकर ईश्वर को सीधा फोन मिलाने वाले बाबा तक हैं। बाबाओं का जिक्र हुआ तो बुलडोजर बाबा का भी नाम आया। मगर इस प्रस्ताव को चेयरमैन ने यह कर ख़ारिज़ कर दिया कि हमें कोई काम का आदमी चाहिए, तोड़फोड़ करने के लिए हमारे पास हल्क पहले से है। दूसरे मेंबर ने प्रस्ताव दिया कि हम कोई नया एवेंजर बना नहीं सकते क्या जैसे अनंत मणि की महाशक्ति से हमने वैंडा और विज़न को एवेंजर बनाया था। थानोस ने अनंत मणियाँ नष्ट कर दी हैं तो क्या हुआ, हम हमारे युग की महाशक्तियाँ फेक न्यूज़ और पीआर से कोई नया एवेंजर नहीं बना सकते? जवाब मिला कि फेक न्यूज़ और पीआर से प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बनाए जाते हैं एवेंजर्स नहीं। एवेंजर के रूप में हमें ऐसे व्यक्ति को चुनना है जो पहले से ही पावरफुल हो। 'फिर तो एक ही संभावना बचती है', कमेटी के सबसे बुजुर्ग सदस्य ने बात रखी जो डिप्लोमैटिक मिशन के चलते अपना आधा जीवन भारत में बिता चुके था, 'बाबूमैन!'

'बाबूमैन?'

'जी हाँ बाबूमैन! भारत में ऊपरी आभामंडल को हटाने के बाद जो सबसे बड़ी महाशक्ति नज़र आती है, वो सरकारी बाबू ही है। बड़ी बड़ी योजनाएँ लाने वाली सरकारें, बदलाव लाने वाले महापुरुष, निवेश लाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनिया ये सब सरकारी बाबू की सत्ता के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम बाबूमैन को अगले एवेंजर के रूप में ले पाएँ तो यह हमारे लिए बहुत उपलब्धि की बात होगी'

'तो बाबूमैन करता क्या है, उसके पराक्रम से हमें परिचित कराएँ!'

'बाबूमैन करता क्या है वो इंपारटेंट नहीं है, उसका होना ही अपने आप में दैवीय घटना है। उसके अवतरित होते ही न्यूज वाले पागल हो जाते हैं कि रिक्शेवाले का लड़का बना बाबूमैन, फलाने की बिटिया बनी बाबूमैन। बाकी वो जीवनपर्यंत क्या करते हैं, देश के विकास में उन्होंने क्या योगदान दिया, इससे हमें मतलब नहीं। बाबूमैन दो ही बार न्यूज में आता है। पहला जब वो बाबूमैन बनता है, दूसरा जब वो सूसाइड करता है। तीसरी कोई न्यूज नहीं है। बीच में वह देवता निश्छल भाव से मानवता (नाम के एनजीओ) की सेवा में कैसे लगा रहा, इससे हमें कोई सरोकार नहीं'।

'उसकी शक्तियाँ क्या हैं और हमारी आडियंस उससे कैसे रिलेट कर पाएगी?'

'रिलेट ऐसे कर पाएगी कि आडियंस के बीच से कोई आम आदमी भी बाबूमैन बन सकता है। जैसे किसी भी सुपरहीरो बनने के पहले शक्तियाँ व्यक्ति के भीतर ही होती हैं, बस सही घटना पर स्वयं को प्रकट करती हैं, वैसी ही बाबूमैन बनते ही उसकी ईगो दो सौ परसेंट और न्यूसेंस वैल्यू तीन सौ परसेंट बढ़ जाती है। उसकी जाति उसकी शक्ति बन जाती है। जाति हमेशा से उसके पास थी, लेकिन उसे इसकी शक्ति का अंदाजा नहीं था। जब वह अपनी भीतरी शक्ति को सिस्टम में मौजूद जाति की वृहद शक्ति से जोड़ता है, तब उसमें महाशक्ति का उदय होता है। शक्ति के साथ-साथ उसकी लचीलेपन में भी कई गुना इज़ाफा होता है और लचीलेपन की यही नैनो टेक्नालॉजी उसकी ताकत बनती है। वह मौका आने पर जनता के सामने चट्टान और नेता के सामने कालीन भी बन सकता है। आयरनमैन के बाद स्टीलफ्रेम से आया बाबूमैन ही एवेंजर्स की कमान संभाल सकता है'।

'यह सब तो ठीक है महोदय, लेकिन इस शक्तियों का इस्तेमाल वह आने वाली अंतरगैलैक्टिक विपदाओं से सुलझने में कैसे करेगा? थानोस प्रकरण के बाद हर तरफ अराजकता फैल गई है, ऐसे में बाबूमैन विश्व को शांति की ओर वापस कैसे लाएगा?'

'बाबूमैन अगर एवेंजर्स की टीम में होता तो थानोस प्रकरण होने ही नहीं देता। जब थानोस ने दुनिया के आधे लोग मार दिए थे और टीम को चहुँओर से निंदा झेलनी पड़ रही थी वह मारे गए लोगों के आँकड़े ही गायब कर देता। वह स्टेटमेंट देता कि मरने वालों की संख्या बहुत मामूली है और फिर विश्व में घेराबंदी लगा देता कि राष्ट्रीय सुरक्षा के चलते अभी हम मरने वालों की संख्या जाहिर नहीं किए जा सकते। जिस तरह टीम नें लोगों की जान बचाने का बेकार मिशन किया और आयरनमैन को अपनी जान गँवानी पड़ी, बाबूमैन ऐसा कुछ मिसमैनेजमेंट होने ही नहीं देता। ज्यादा से ज्यादा सिपाही या दरोगा के रूप में वो आंटमैन को 6 महीने के लिए सस्पेंड कर देता कि इस पूरी आपदा के दौरान तुम कहाँ गायब थे? आवाज उठाने वाले किसी एक्टिविस्ट पर यूएपीए लगा देता। औपचारिकता पूरी करने के लिए एवेंजर्स का टाइटन ग्रह का एक विद फैमिली ट्रिप करवाता और सबका इकॉनामी क्लास फ्लाइट का टीए डीए भी क्लेम करवा देता।'

बाबूमैन के इस पराक्रमी वर्णन से सब सभा सन्न हो गई और छाया हुआ मौन तालियों की गड़गड़ाहट से ही टूटा। अंततः कमेटी ने यह निर्णय सुनाया कि अगला एवेंजर बाबूमैन ही होगा। कोचिंग संस्थानों में खुशी की लहर है। वो इथिक्स का एक और कोर्स लांच कर रहे हैं।

केपी अग्निहोत्री बने जन परिषद की इंटर स्टेट कमेटी के सचिव

बैतूल/भौंरा। वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी कैलाश प्रसाद (केपी) अग्निहोत्री को अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद की डिस्ट्रिक्ट/इंटरस्टेट कोऑर्डिनेशन कमेटी का सचिव मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी ने महासचिव ओपी गुप्ता और अजय श्रीवास्तव नीलू की अनुशंसा पर की है। जन परिषद के राष्ट्रीय संयोजक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था पिछले 36 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय है। संस्था अब तक पर्यावरण पर 12

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी और कई ऐतिहासिक संदर्भ ग्रंथों का प्रकाशन भी कर चुकी है। वर्तमान में इसके देशभर में 275 से अधिक एवं विदेशों में 7 चैप्टर सक्रिय हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो समाज में रचनात्मक बदलाव और सुधार की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केपी अग्निहोत्री ने कहा कि जन परिषद ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं संस्था का आभारी हूं। समाज की भलाई और रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना ही मेरा संकल्प है। मैं जन परिषद के उद्देश्यों और मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करूंगा। श्री अग्निहोत्री की नियुक्ति पर जन परिषद बैतूल चैप्टर, मुलताई चैप्टर, बैतूलबाजार चैप्टर और भौंरा चैप्टर के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते जन परिषद अध्यक्ष एनके त्रिपाठी और संयोजक रामजी श्रीवास्तव के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने भी श्री अग्निहोत्री को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनकी नियुक्ति से संस्था की गतिविधियों को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

पवित्र नगरी में लक्ष्मी स्थापना प्रारंभ

क्षेत्र में 100 से भी अधिक स्थानों पर विराजेंगी मां लक्ष्मी

बैतूल/ मुलताई। क्षेत्र में इस वर्ष बड़ी संख्या में लक्ष्मी मंडलों द्वारा मां लक्ष्मी की प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी, जिसकी तैयारियां प्रारंभ हो गई है। पूर्व में जहां क्षेत्र में एक्का दुक्का स्थान पर ही लक्ष्मी प्रतिमा

स्थापित की जाती थी, वहीं इस वर्ष लक्ष्मी मंडलों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस वर्ष क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा की भांति ही बड़ी संख्या में मां लक्ष्मी की प्रतिमाएं बैठाई जा रही है। ताप्ती तट पर संपूर्ण जिले के प्रसिद्ध मूर्तिकार शिवदयाल प्रजापति बताते हैं कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लक्ष्मी प्रतिमाओं के अधिक आर्डर मिले हैं, हम चार परिवार मिलकर यहां प्रतिमाओं का निर्माण करते हैं इस वर्ष हमारे संपूर्ण परिवारों द्वारा 50 से अधिक लक्ष्मी प्रतिमाओं का निर्माण किया गया है। शिवदयाल प्रजापति बताते हैं कि प्रतिमा निर्माण में लगने वाली सामग्री का मूल्य निरंतर बढ़ रहा है जिसके चलते प्रतिमाएं महंगी हो रही है। निर्माण लागत बढने से हमारी आय भी घट रही है। मुलताई नगर में लगभग एक दर्जन से अधिक प्राचीन लक्ष्मी मंडल है जी में थाना रोड यादव प्रेस गली लक्ष्मी मंडल एवं महावीर वार्ड में सेलकरी गली मे स्थित प्राचीन लक्ष्मी मंडल स्थित है।

लक्ष्मी पूजन से होती है धन-धान्य, सुख समृद्धि की प्राप्ति- विद्वान पंडित गणेश त्रिवेदी बताते हैं कि मां लक्ष्मी की प्रतिमा की स्थापना अहोई अष्टमी से हो जाती है और धनतेरस पर इन प्रतिमाओं का विसर्जन हो जाता है। गणेश त्रिवेदी बताते हैं कि पुराणों में इस संपूर्ण सप्ताह में मां लक्ष्मी के पूजन का अत्यंत महत्व बताया गया है। इस पूरे सप्ताह मां लक्ष्मी की निष्ठा एवं समर्पण से पूजन पाठ करने से समस्त पापों का निवारण होता है। धन-धान्य की प्राप्ति होती है। घर में सुख समृद्धि आती है। सर्वत्र विजय प्राप्त होती है भय दूर होता है मनुष्य बंधन से मुक्त होता है।

कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल में पोषण माह कार्यक्रम का किया समापन

बैतूल। कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल में गुरुवार को खाद्य दिवस एवं पोषण माह का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुधाकर पवार, सुरेश गायकवाड़, श्रीमती संगीता पवार उपस्थित थी। इस दौरान श्री सुधाकर पवार द्वारा मोटे अनाज से निर्मित विभिन्न व्यंजनों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। इसके अलावा उन्होंने प्राकृतिक कृषि एवं पोषक अनाजों को अपने के लिए प्रेरित किया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ एसके तिवारी ने पोषण को बढ़ाने के लिए बायोफोर्टीफाइड फसलों के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. एमपी इंगले ने मोटे अनाज का पोषण में महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ.मेघा तिवारी द्वारा अनाज उत्पादन में प्राकृतिक खेती के घटकों का उपयोग करने के बारे में बताया। श्री संजय गहलवार ने स्वास्थ्य सुधार के लिए संतुलित पोषण आहार के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में सीडीपीओ एनएस ठाकुर, डॉ.संजीव वर्मा सहित सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रही।

नहरों की होगी मरम्मत, विभाग ने प्रस्ताव शासन को भेजा

52 जलाशय किए शामिल, चार हजार हेक्टेयर सिंचाई भूमि में होगी वृद्धि

एस. द्विवेदी, बैतूल। जल संसाधन विभाग द्वारा जिले के 52 जलाशयों की नहरो के सुधार, मरम्मत और पक्कीकरण के लिए शासन से 38 करोड़ 53 लाख रुपए की राशि मांगी गई है। जिसके लिए विगत 15 दिन पूर्व जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित हुई थी, जिसमें प्रशासकीय स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुशंसा की गई है। इसके बाद प्रस्ताव शासन को स्वीकृति के लिए भेजा है। बताया जा रहा है कि इस योजना को स्वीकृति मिलने के बाद न केवल जलाशयों की स्थिति सुधरेगी बल्कि 4,151 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता बढ़ेगी। यह परियोजना बैतूल-मुलताई डिवीजन के लिए है, जिससे आने वाले वर्षों में जिले के हजारों किसान लाभान्वित होंगे। दरअसल कई जलाशयों की नहरे जर्जर स्थिति में पहुंच गई है। इस वजह से बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह जाता है। पहले जल संसाधन विभाग को नहरों की मरम्मत के लिए बहुत सीमित बजट मिलता था, जो केवल सफाई कार्य तक ही सीमित था। इस वजह से रबी सीजन में जब पानी छोड़ा जाता था, तो क्षतिग्रस्त नहरों से काफी पानी बर्बाद हो जाता था। इसे दृष्टिगत रखते हुए जल संसाधन विभाग ने विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर शासन को भेजा। यदि विभाग को फंड मिलता है तो अगले वर्ष से किसानों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

टेल एरिया तक पहुंचेगा पानी - लगभग 38 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत होने के बाद उम्मीद है कि इन नहरो के मजबूत होने से टेल एरिया तक के किसान भी सिंचाई जल से लाभान्वित होंगे। पानी आसानी से टेल एरिया तक पहुंच पायेगा। जिससे किसानों को पर्याप्त पानी मिलेगा और किसान फसलों की अच्छी से सिंचाई कर बेहतर उत्पादन ले सकेंगे। विभाग का कहना है कि अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने एसडीओ और इंजीनियरों की टीमों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस योजना से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि जल उपयोग दक्षता भी बढ़ेगी। नहरो के सुदृढ़ीकरण से पानी की बर्बादी में कमी आएगी और जिले की कृषि भूमि को नई सिंचाई ऊर्जा प्राप्त होगी।

जिले की सिंचाई क्षमता में होगा विस्तार - जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मरम्मत कार्य पूरे होने के बाद जिले की सिंचाई क्षमता में बड़ा विस्तार होगा। आगामी रबी सीजन 2025 के लिए बैतूल-मुलताई डिविजन में 1 लाख हेक्टेयर सिंचाई लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें 74,115 हेक्टेयर क्षेत्र नहरों से और 25,885 हेक्टेयर क्षेत्र माइक्रो इरीगेशन प्रणाली से सिंचित किया जाएगा। वर्धा जलाशय से 5,700 हेक्टेयर और पारसडोह जलाशय से 19,785 हेक्टेयर में माइक्रो इरीगेशन प्रणाली के माध्यम से सिंचाई की जाएगी। वहीं, घोघरी जलाशय से पहली बार 7,000 हेक्टेयर में सिंचाई का परीक्षण किया जाएगा।

जिले की 52 जलाशयों को योजना में किया शामिल - आरआरआर (ट्रिपल आरआरआर रिपेयर, रेनोवेशन एंड रिस्टोरेशन) मद के अंतर्गत जिले के 52 जलाशयों को इस योजना में शामिल किया गया है। इनमें बैतूल ब्लॉक के उड़दन जलाशय, गौंडीगौला, जगधर, झाड़ेगांव, झगडिया, घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के गोंडीढाना, मालसिवनी, माथनी, बादलपुर, पाढर, गोलई, झारकुंड, भैंसदेही ब्लॉक के सिवनपाट, पिपरिया, मारू, कोलगांव, बोरगांव, मच्छी, खामला, गुनघाटी, धनगांव, ठेमगांव, गुदगांव, सिरजगांव, भीमपुर ब्लॉक के भीमपुर, धनोरा, कुंड, चिखली, लक्कड़ जाम, शाहपुर ब्लॉक के दुल्हारगढ़, पावरझंडा, सालीमेट, चिलमटेकरी, पहावाड़ी, मोतीढाना, हाथीकुंड, बरेठा, बुडडी, पाठई, निशाना, चिचोली ब्लॉक के पाठाखेड़ा, जोगली, देवपुर, आठनेर ब्लॉक के मांडवी, गुजरमाल, राबडिया, खैरवाड़ा, मुलताई ब्लॉक के डहुआ, दुनावा, परसठानी, सेंद्रया और पिपरिया शामिल है।

इनका कहना है -

जिला मूल्यांकन एवं सतर्कता समिति की बैठक में इन 52 योजनाओं के लिए तकनीकी स्वीकृति का प्रकरण बनाकर प्रशासकीय स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुशंसा की गई है। जिसे राज्य शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जा रहा है। वंहा से स्वीकृत होने के बाद केन्द्रीय मद से लगभग 38 करोड़ का फंड आयेगा। इसमें 12 परियोजना मुलताई डिवीजन और 40 परियोजना बैतूल डिवीजन की शामिल की गई है। नहरों की मरम्मत होने से 4 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई हो सकेगी।

- रोशन कुमार सिंह, ईई जल संसाधन विभाग बैतूल

आज स्वदेशी के रास्ते हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहे हैं : मंत्री तुलसीराम सिलावट

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर हुई पत्रकारवार्ता

धार। भाजपा जिला कार्यालय धार पर आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प अभियान को लेकर पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने संबोधित किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, विधायक नीना वर्मा, ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान और 'हर घर स्वदेशी' अभियान को लेकर चर्चा की गई द्य

मंत्री सिलावट ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है, देश को विकसित बनाने का मार्ग आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से जाता है,आत्मनिर्भर भारत निर्माण का सशक्त माध्यम स्वदेशी है। प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक भारतीय को हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी अभियान से जोड़ने का आह्वान किया है। मोदी जी ने जीएसटी में कटौती कर हर वर्ग को लाभ पहुंचाने का काम किया है और यह एक ऐतिहासिक कदम है। मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के इस निर्णय से हर वर्ग के चेहरे पर आज खुशी देखी जा सकती हैं। आज स्वदेशी के रस्ते हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार ने धीरे-धीरे उद्योग योजनाओं के माध्यम से प्रदेश आत्मनिर्भर बन रहा है।

भारतवर्ष तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के पहले हम विश्व में दसवें स्थान पर थे लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने फिर चौथे स्थान पर आए। अब हम तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ अग्रसर है। भारत स्वदेशी केवल आर्थिक क्षेत्र में ही नहीं है यह हमारी संस्कृति और आत्मा का हिस्सा है। हम विदेशी वस्तुओं के पीछे भागने की बजाय अब अपनी जड़ों को पहचान रहे है। प्रधानमंत्री जी के मेक इन इंडिया अभियान, स्टार्टअप इंडिया अभियान ने भी भारत को आत्मनिर्भरता के लिए बल प्रदान किया है। 'वोकल फॉर लोकल' जैसे नारे ने एक नई ऊर्जा का संचार किया है। हमारी शक्ति, हमारी संस्कृति और हमारी उद्योग कुशलता ही हमें आत्मनिर्भर भारत की ऊंचाईयों तक ले जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी जी आम जनों के जीवन की कठिनाईयों को कम करने के लिए प्रयासरत है पहले लोग पैसे के अभाव में बेहतर इलाज नहीं करा पाते थे लेकिन आयुष्मान योजना में 5 लाख तक के मुफ्त इलाज से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इसी के साथ महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में भी हमारी सरकार काम कर रही है। भारत पहले रक्षा उपकरणों के मामले में पूरी तरह दूसरे देशों पर आश्रित था लेकिन आज भारत रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी अपना रहा है। पहले रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे जबकि आज हमारे बड़े पैमाने पर रक्षा उपकरणों को विश्व में निर्यात कर रहे है आज हम पूरी तरह से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गए है। कोविड जैसी वैश्विक बीमारी में भी हमने स्वदेशी वैक्सीन व पीपीई किट का निर्माण किया जिससे देश में बड़े पैमाने पर जनहानि होने से हमने लोगों को बचाया इसी के साथ हमने 100 से अधिक देशों को 'वैक्सीन मैत्री' के तहत वैक्सीन का निर्यात किया। भारत आज दवाईयों का सबसे बड़ा निर्यातक है। जीएसटी दरों में कटौती होने से हमारे कुटीर व लघु उद्योगों को बहुत फायदा होगा क्योंकि बड़े पैमाने पर स्वदेशी वस्तुओं की मांग होने से उनका उत्पादन भी बढ़ेगा। आत्मनिर्भर भारत बनने का संकल्प केवल भाजपा का संकल्प नहीं है बल्कि यह प्रत्येक भारतीय का संकल्प है। संचालन जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा व आभार ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार ने किया।

मदद के बहाने एटीएम कार्ड बदल कर निकाले 50 हजार रुपये

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए बदमाश, पुलिस ने किया प्रकरण दर्ज जांच में जुटी......

देवास/मोहन वर्मा। एक व्यक्ति के साथ मदद करने के बहाने से दो युवकों ने एटीएम बदल लिया और वहां से फरार हो गए। युवकों ने अन्य एटीएम से व्यक्ति के खाते से 50 हजार रुपए भी निकाल लिए, व्यक्ति को जब पता चला कि उसका एटीएम बदल लिया व एटीएम से रुपए भी निकल गए वह उसके बेटे के साथ औद्योगिक थाने पर पहुंचे उन्होनें युवकों के विरुद्ध थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं पुलिस आरोपियों को तलाश करने में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार भेरुलाल नागर एक सोया कंपनी में कार्यरत हैं। आज सुबह वह घर से एटीएम से रुपए निकालने के लिए विकास नगर चौराहे स्थित एसबीआई एटीएम पर पहुंच लेकिन वह बंद था पास ही कैनरा बैंक के एटीएम से वह रुपए निकालने लगे लेकिन रुपए नहीं निकले उनके पीछे खड़े दो युवकों ने चालाकी से एटीएम बदल लिए और वहां से फरार हो गए। भेरुलाल ने बाद में देखा तो उनका एटीएम कार्ड बदला जा चुका था और एटीएम से 50 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन भी हो गया था। उन्होनें औद्योगिक थाने पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों को तलाश करने में जुट गई है।

आप एटीएम कार्ड गलत लगा रहे हो- भेरुलाल नागर निवासी जीतमल नगर ने बताया कि मैं सुबह करीब 10.15 बजे घर पर आया घर से एटीएम से रुपए निकालने विकास नगर चौराहे पर आया था। एसबीआई का एटीएम बंद था तो मैं पास ही कैनरा बैंक के एटीएम से रुपए निकालने गया। वहां पर एटीएम कार्ड लगाकर प्रोसेस करने लगा उसमें से रुपए नहीं निकले, मेरे पीछे एक लडका खड़ा था, उसने कहा कि आप एटीएम कार्ड गलत लगा रहे हो, कुछ ही देर में उसने एटीएम बदल लिया। उसमें एटीएम युवक ने लगा दिया और कहा कि रुपए निकल जाएंगे। जब रुपए नहीं आए मैंने एटीएम देखा तो वह मेरा एटीएम कार्ड नहीं था। मेरा एसबीआई का एटीएम था, वहां से युवक भी चला गया था। एटीएम के समीप दो युवक थे। मेरे एटीएम से 10-10 हजार रुपए 5 बार में 50 हजार रुपए किसी अन्य एटीएम से युवकों ने निकाल लिए थे। उसके बाद मैंने अपने बेटे को फोन किया, मेरा बेटा वहां आया उसके बाद औद्योगिक थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे।

एटीएम को ब्लॉक करा दिया - अनिल नागर ने बताया कि मेरे पिता के साथ एटीएम का फ्रॉड हुआ उनका एटीएम कार्ड कुछ लोगों ने बदल लिया। उनके खाते से 50 हजार रुपए निकाले हैं। हमने एटीएम को ब्लॉक कर औद्योगिक थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। घटना कैनरा बैंक के एटीएम मशीन पर हुई थी। मेरे पिता रुपए निकालने गए थे, रुपए नहीं निकलने पर मदद करने के बहाने से एटीएम बदल लिया था। मेरे पिता सोया कंपनी में नौकरी करते हैं।

पुलिस लाईन धार के बॉक्सिंग खिलाड़ियों द्वारा 69वीं शालेय बॉक्सिंग प्रतियोगिता व संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया

खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर रक्षित निरीक्षक पुरूषोत्तम बिश्नोई ने सम्मानित किया

धार। पुलिस लाईन धार के खेल परिसर मे स्थित बॉक्सिंग रिंग में प्रेक्टिस करने वाले खिलाड़ियो के द्वारा गुना मे आयोजित 69वीं शालेय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 2025 व नेहरू स्टेडियम इंदौर मे आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता मे शानदार प्रदर्शन किया। अंश चंद्रवंशी, विराट जाट व आदेश मिश्र ने स्वर्ण पदक, नमन ठाकुर व आराध्या त्रिवेदी ने रजत पदक एवं अर्थव डोडवे व आध्विक मालवीय ने कांस्य पदक हालिस किया। जिला बॉक्सिंग संघ सचिव दीपक कुशवाह, टीम मैनेजर हर्षित कटारिया, कोच प्रकाश पटेल एवं सहायक धनंजय यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर रक्षित निरीक्षक पुरूषोत्तम बिश्नोई के द्वारा खिलाड़ियों एवं टीम मेम्बर को कार्यालय मे आमंत्रित कर खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र वितरित कर, उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी व टीम मेम्बर की सराहना कर उन्हें शुभकामनाएं दी।

गिरीश राठौर पुनः समाज अध्यक्ष मनोनीत, नवयुवक मंडल अध्यक्ष बने विजेन्द्र राठौर

सर्वसम्मति से समाज बैठक में हुआ मनोनयन, समाज इस वर्ष अन्नकूट महोत्सव पर करेगा नगर भोज

धार। सकल पंच राठौर समाज का अन्नकूट महोत्सव इस वर्ष 30 अक्टूबर आंवला नवमीं को मनाया जाएगा। इस वर्ष का अन्नकूट महोत्सव नगर भोज के रूप में होगा। बुधवार को इस बात का निर्णय समाज की उटावद दरवाजा स्थित धर्मशाला में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया है। वहीं समाज के अध्यक्ष पद पर पुनः गिरीश राठौर सेनापति को मनोनीत किया गया है। श्री राठौर का मनोनयन उनके पूर्व के कार्यकाल के दौरान समर्पण भाव से समाजहित में कार्य करने के कारण पुनः किया गया है। बैठक में नवयुवक मंडल अध्यक्ष पद पर विजेन्द्र राठौर को दायित्व सौंपा गया है। अन्नकूट महोत्सव समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौर बनाए गए है। महिला मंडल अध्यक्ष की कमान किरण भोला राठौर को सौंपी गई है। बैठक में बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

चंदा नहीं लेंगे, स्वनिधि से होगा भोज- समाज अध्यक्ष गिरीश राठौर ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव के तहत प्रतिवर्ष की तरह भगवान सत्यनारायण की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस वर्ष निर्णय लिया गया है कि समाज पर अन्नकूट महोत्सव के तहत दान सहयोग नहीं लिया जाएगा। किसी भी प्रकार की दान राशि या चंदा नहीं एकत्रित किया जाएगा। समाज के भोज के अतिरिक्त सामाजिक समरसता के उद्देश्य से नगर भोज होगा। अन्नकूट महोत्सव के तहत 27 अक्टूबर से सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों की शुरुआत होगी। जिसके तहत भगवान सत्यनारायण की कथा और हवन पूजा सहित समाजजनों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। 29 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण होगा। जिसमें विजेताओं के अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा। यह जानकारी राजू राठौर अन्नकूट समिति संयोजक ने दी।

तीन माह से कर्मचारियों को नहीं मिला वेतन, शुक्रवार तक वेतन नहीं मिला तो हड़ताल पर जा सकते हैं कर्मचारी

वन नेशन वन इलेक्शन के राष्ट्रीय एजेंडे पर परिषद की सहमति, एक सप्ताह के भीतर तीसरी बार बदले नपा सीएमओ

आमला। गुरुवार को नपा परिषद की बैठक के दौरान अंदर बैठक हाल में परिषद की बैठक चल रही थी और बैठक हाल के बाहर नपा के दर्जनों कर्मचारी वेतन के लिए चिल्ला रहे थे, हंगामा कर रहे थे और इसी दौरान इस बेहदकश्मकश के हालातों में परिषद अंदर रसमलाई का स्वाद लेने में मशगूल थी। बहरहाल जो भी हो, किंतु परिषद की बैठक के दौरान नपा के कर्मचारी, जिसमें ज्यादातर सफाई कर्मचारी शामिल है, वेतन के लिए हंगामा करते रहे। जैसा कि इन कर्मचारियों ने बताया है कि उन्हें बीते तीन महीनों से वेतन नहीं दिया गया है, दो-तीन दिन बाद दिवाली जैसा बड़ा त्यौहार है और कर्मचारियों के वेतन का ठिकाना नहीं है, ऐसे में कर्मचारियों को घर चलाने में मुश्किलें हो रही है, ऐसे में कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह से अब काम करना भी मुश्किल हो रहा है। इस दौरान कर्मचारियों ने नपा अधिकारी को शुक्रवार तक वेतन देने का अल्टीमेटम भी दे दिया है, शुक्रवार तक वेतन नहीं दिए जाने पर कर्मचारी यूनियन ने हड़ताल पर जाने की धमकी दी हैं। हालांकि इस मौके पर नपा अधिकारी वीरेंद्र तिवारी ने ये जरूर कहा है कि चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि सरकार से नहीं मिलने के चलते कर्मचारियों के वेतन में दिक्कत हो रही

है, किंतु कल तक कर्मचारियों को 2 महीने का वेतन दे दिया जाएगा। वहीं गुरुवार की शाम शासन के आदेश के बाद नए सीएमओ जी. आर. देशमुख ने यहां कार्यभार संभाल लिया है, बीते लगभग एक सप्ताह के भीतर ही यहां तीन बार सीएमओ बदले जा चुके है, आमला नगर पालिका के इतिहास में संभवतः यह पहला मौका है, जब यहां एक सप्ताह के भीतरी तीन बार सीएमओ बदले जा चुके है।

नपा परिषद में आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया से बिगड़े हालात- आमला नपा में बीते कुछ समय से लगातार बिगड़ते वित्तीय हालात और खस्ता होती नपा की हालत की जिम्मेदार भी परिषद की ही हैं, जिन्होंने कभी नपा की आय बढ़ाने के इंतजाम पर काम ही नहीं किया और मनमाने ढंग से गैर जरूरी कामों पर ही ध्यान देते रहे, जिससे नपा की माली हालत लगातार बिगड़ते गई और अब आलम ये है कि कर्मचारियों के वेतन तक के भी लाले पड़ गए हैं।

परिषद की बैठक में पार्षदों ने कहा एक देश एक चुनाव सही है- इधर गुरुवार को नपा परिषद की एक बैठक में वन नेशन वन इलेक्शन के राष्ट्रीय मुद्दे को स्थानीय परिषद की बैठक में समर्थन मिला है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर यह भाजपा सरकार का एजेंडा है और आमला में कांग्रेस की परिषद है, उसके बाद भी वन नेशन वन इलेक्शन के राष्ट्रीय एजेंडे को यहां सभी पार्षदो ने सर्वसम्मति से पास कर दिया है। यहां परिषद की बैठक में शहर में एलईडी लाइट लगाने और उसकी खरीदी पर भी सहमति जताई है, अब ये बात और है कि परिषद की माली हालत बुरी तरह खराब है, किंतु फिर भी खरीदी जैसे निर्णय परिषद लगातार ले रही है, नपा परिषद की बैठक के दौरान नगर पालिका अधिकारी इंजीनियर नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित सभी पार्षद उपस्थित थे।

भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने खरीदें स्वदेशी उत्पाद : हेमंत खण्डेलवाल

***वो खरीदें, जिसमें भारत की मिट्टी की महक हो**
***स्वदेशी केवल नारा नहीं, बल्कि अपनाने योग्य संस्कार है**

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने गुरुवार को जिले के मुलताई में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत विधानसभा सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने दीपावली पर्व पर स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने का आग्रह करते हुए कहा कि अपने दैनिक जीवन में भी उन वस्तुओं का प्रयोग करें, जो स्वदेशी हों। सम्मेलन को केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके ने भी संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल एवं केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित स्पर्श मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित उत्पाद खरीदे एवं बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

सामान खरीदने जाएं तो विचार करके स्वदेशी सामान ही खरीदें–भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि स्वदेशी केवल नारा नहीं, बल्कि अपनाने योग्य संस्कार है। ऐसा नेतृत्व गर्व का विषय है, जो शब्दों से नहीं, कर्मों से प्रेरणा देता है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी के अभियान को घर-घर तक पहुंचाना है। अपने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी को बढ़ावा देना है। हम जब भारत में बना सामान खरीदेंगे, तभी निर्यात कम होगा और भारत की अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। आप जब सामान खरीदने जाएं तो एक बार जरूर विचार करें कि जो सामान आप खरीदकर अपने घर ले जा रहे हैं, क्या उसे बनाने में किसी भारतीय का पसीना बहा है या नहीं। अगर आप रेहड़ी-पटरी वाले, लघु और कुटीर उद्योगों में बनने वाले स्वदेशी सामानों को खरीदेंगे तो निश्चित रूप से भारत बहुत जल्दी ही आत्मनिर्भर बन जाएगा।

स्वदेशी अपनाएं, स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करें कार्यकर्ता–भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि हम जो भी खरीदें वह पूर्णतः स्वदेशी होना चाहिए। ऐसी वस्तुएं खरीदें, जिनमें हमारे मजदूरों का पसीना हो और भारत की मिट्टी की महक हो। अगर हम इस मंत्र को अपने जीवन में उतार लेते हैं, तो हमारे इस महत्वपूर्ण कदम से न सिर्फ बहुत जल्द हमारा भारत आर्थिक रूप से सशक्त होगा, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भी बनेगा। उन्होंने उपस्थित नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हम सभी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के इस अभियान से जुड़कर स्वदेशी अपनायें और अपने आसपास के छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहित करें।

अपनी कमी को ताकत बनाकर आगे बढ़ रहे हैं दिव्यांग बच्चे–भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के ये आकर्षक उत्पाद उनके हुनर, बुद्धिमत्ता और आत्मबल का प्रतीक हैं। अपनी कमी को ताकत बनाकर ये बच्चे हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उत्पादों के विक्रय मूल्य से ज्यादा में खरीदारी की। उन्होंने कहा कि इस दीपोत्सव पर स्वदेशी और दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित उत्पादों को खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित करें, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में आत्मविश्वास से आगे बढ़ें। भाजपा सरकार की पहल पर आयोजित स्पर्श मेले में शासकीय शालाओं सहित अन्य संस्थाओं के दिव्यांग बच्चों द्वारा स्वनिर्मित वस्तुओं, उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जा रहा है। यह अनुकरणीय कदम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वदेशी अपनाओं के आह्वान को साकार कर आत्मनिर्भर भारत निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।इस अवसर पर मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, जिलाध्यक्ष श्री सुधाकर पंवार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती वर्षा गढ़ेकर, पूर्व विधायक श्री अशोक कड़वे सहित जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, व्यापारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को दिया गया उद्यमिता विकास प्रशिक्षण

सीहोर (निप्र)। दिव्यांगजनों में कौशल विकास बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बैंक ऑफ इंडिया के उद्यमिता विकास प्रशिक्षण केंद्र एवं जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा चिन्हित 28 दिव्यांगजनों को 10 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर अधिकारियों द्वारा उन सभी दिव्यांगजनों को परामर्श एवं मार्गदर्शन दिया गया जो अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करना चाहते हैं। सभी दिव्यांगजनों को शासन द्वारा संचालित रोजगार-स्वरोजगार योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने करने वाले सभी दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर उपसंचालक श्री महेश यादव, आरसेटी निदेशक श्री ओमप्रकाश प्रजापति, श्री नवलकिशोर मालवीय सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं दिव्यांगजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. भाईसारे का निधन चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय भाईसारे के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि डॉ. भाईसारे का जीवन चिकित्सा, शिक्षा और मानवता का अद्भुत संगम रहा। महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, इंदौर के नेत्र रोग विभागाध्यक्ष के रूप में उन्होंने चिकित्सा शिक्षा को नई दिशा दी। कोविड-19 एवं ब्लैक फंगस के कठिन दौर में भी उन्होंने अदम्य साहस और सेवा भावना के साथ कार्य किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि डॉ. भाईसारे मध्यप्रदेश के पहले पीएच.डी. गाइड, उत्कृष्ट शिक्षक और प्रेरणादायक मार्गदर्शक थे। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली के आर.पी. सेंटर से एम.बी.बी.एस. एवं एम.एस. की उपाधि प्राप्त कर रेटिनोपैथी ऑफ़ प्रीमैच्यूरिटी पर उल्लेखनीय अनुसंधान किया।

साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन

विदिशा (निप्र)। इंडिया फ्यूचर फाउंडेशन और सीईआरटी-इन के सहयोग से विदिशा रवींद्रनाथ टैगोर ऑडिटोरियम में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए एक आकर्षक साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया था। जिसमें शासकीय एवं निजी संस्थानों के 600 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। किशोरों को ऑनलाइन सुरक्षित रखना विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में डीपफेक स्कैम, गेमिंग की लत, सोशल मीडिया का दुरुपयोग एवं ऑनलाइन ग्रूमिंग जैसे प्रासंगिक विषयों पर चर्चा की गई। सत्र का नेतृत्व कर्नल संजीव रेलिया (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया, जिन्होंने वास्तविक केस स्टडीज एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.पी. जाटव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चैबे, एवं श्री अजय सिंह सकवार के सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आयोजकों ने विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। डिजिटल जागरूकता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के साथ युवाओं को सशक्त बनाना एक सुरक्षित साइबर भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ध्वतजपदमज एवं सहयोगी संस्थाओं ने इस संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया कि ऐसी साइबर सुरक्षा पहलों का विस्तार स्कूलों एवं कॉलेजों में निरंतर रूप से किया जाएगा।

ग्राम सांगाखेड़ा कलां में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत किया गया जागरूकता कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। परियोजना अधिकारी के निर्देशन में ग्राम सांगाखेड़ा कलां में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या शाला में किया गया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच श्रीमती सावित्री धुर्वे, श्री कृष्ण कुमार नायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ एवं शिक्षकगण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती अफसा बी. राइन द्वारा छात्राओं एवं उपस्थित जनसमूह को बेटियों के करियर, पोषण और स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने बताया कि बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण ही समाज की प्रगति का आधार है।

रबी सिंचाई 2025-26 हेतु संभागीय जल उपयोगिता की बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। रबी सिंचाई 2025-26 हेतु संभागीय जल उपयोगिता की बैठक कार्यपालन यंत्री, तवा नहर संभाग सिवनी मालवा की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी, उपयंत्री, अमीन एवं किसान संगठन के पदाधिकारी तथा किसान गण उपस्थित रहे। कृषकों द्वारा नहरों की साफ सफाई एवं मरम्मत कार्य हेतू कहा गया जिसमें अधिकारियों द्वारा आश्वस्त कराया गया की नहर संचालन से पूर्व नहरों की साफ सफाई एवं मरम्मत कार्य करवा दिया जाएगा। साथ ही किसानों द्वारा मांग की गई की 25 अक्टूबर 2025 को नहरों में रबी सिंचाई हेतू पानी दिया जावे जिससे कृषक समय पर बुआई कर सके।

13499 जल संरक्षण कार्यों के साथ वेस्टर्न जोन में बैतूल तीसरे स्थान पर

जल संरक्षण में बैतूल ने देशभर में बनाई पहचान

बैतूल (निप्र)। जनसहभागिता से जल संरक्षण के कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में जनजातीय बाहुल्य बैतूल जिले ने देश में अपनी पहचान बनाई है। केंद्र सरकार के जल संसाधन और नदी विकास विभाग द्वारा जल शक्ति अभियान अंतर्गत प्रारंभ किए गए नवाचार 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान में बैतूल जिले ने वेस्टर्न जोन में तृतीय स्थान हासिल किया है। इसके लिए जिले को 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान भी की जाएगी। बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के सतत मार्गदर्शन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन के नेतृत्व में जिले ने यह उपलब्धि हासिल की हैं। एडिशनल सेक्रेटरी एवं मिशन डायरेक्टर नेशनल वॉटर मिशन ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई पत्र प्रेषित किया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 तक जिले में 13499 जल संरक्षण कार्यों का सत्यापन किया गया है, जिसका अर्थ है कि यह सभी कार्य स्थल पर पूर्ण हो चुके हैं। इन कार्यों में खेत तालाब, स्टॉप डैम, कंटूर ट्रेंच, सोखपीट, चेक डैम, कपिलधारा, तालाब सौंदर्यीकरण आदि प्रमुख जल संरक्षण गतिविधियाँ शामिल रहीं। जिले में जल संरक्षण के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई गई। इसमें उद्योगों, स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। कम लागत और अधिक प्रभावी कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण एवं पुराने जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन किया गया।

टैरिफ नीति पर शासकीय कन्या महाविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में टैरिफ का अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंधों पर प्रभाव'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीडी अहिरवार ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रैम्प अपनी नीतियों से पूरे विश्व में टैरिफ आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और इसका प्रभाव द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ रहा है। परिणामस्वरूप क्षेत्रीय संगठनों का जन्म हो रहा है। टैरिफ के कारण विश्व व्यापार संगठन महत्वहीन होता जा रहा है और वैश्विक राजनीति जो बहुध्रुवीय थी वह पुनः द्विध्रुवीय होने जा रही है।

वर्तमान टैरिफ नीति भविष्य की दिशा निर्धारित करेगी। इस वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में जुड़े भोपाल नर्मदापुरम संभाग उच्च शिक्षा के अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद ने बताया कि इस तरह के ज्वलंत मुद्दे पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जाना सराहनीय है और इस वेबिनार का मैसेज छात्राओं के माध्यम से घर घर तक पहुंचना चाहिए। पहले विषय विशेषज्ञ के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के सह प्राध्यापक डॉ. एके साहू ने संक्षेप में टैरिफ के इतिहास को बताया। उन्होंने अमेरिका और चीन के बीच जारी ट्रेड वॉर को समझाया और कहा कि टैरिफ के कारण राष्ट्रों के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध और जटिल हो गए हैं। उन्होंने टैरिफ के कारण विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ने वाले प्रभावों की भी चर्चा की। दूसरे विषय विशेषज्ञ के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से जुड़े सहायक प्राध्यापक डॉ. भानू प्रताप सिंह ने बताया कि टैरिफ के कारण ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित होगी। उन्होंने भारत के लघु एवं मध्यम स्तरीय उद्योगों पर टैरिफ के कारण पड़ने वाले प्रभाव को बताया और भारत सरकार के द्वारा टैरिफ के प्रतिकर में अपनायी जा रही नीतियों की चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका के सामने भारत ने घुटने नहीं टेकें हैं , यह दिखाता है कि भारत अपनी संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं कर सकता है , किसी के दबाव में अपने वैश्विक संबंधों का निर्वहन नहीं करेगा। अंतिम वक्ता के रूप में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित शासकीय पीजी महाविद्यालय दमोह के प्राध्यापक रश्मि जेता ने टैरिफ के करण विभिन्न सेक्टर में पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर भारत को अन्य व्यापारिक विकल्पों को तलाशना जरूरी है। वेबिनार का संयोजन सहायक प्राध्यापक रवि रंजन ने तथा सह-संयोजन डॉ. राजुला एल्बर्ट ने किया । मंच संचालन प्रोफेसर नीतू दांगी और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सविता सोनी के द्वारा किया गया।

वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने के लिए नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए : कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संभाग के हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिले में स्थित वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया का बारीकी से अध्ययन कर ले। प्रक्रिया को समझने के पश्चात नियमों के अनुसार ही वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि वन अधिकार के व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावे के आवेदन जनपद कार्यालयों में बिना कार्रवाई के रखे हुए हैं ऐसे आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई कर पात्र व्यक्तियों को वन अधिकार के एवं सामुदायिक वन अधिकार के दावे दिए जाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी जिले के कलेक्टर्स नगर पालिका कर्मचारियों, पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों, आउटसोर्स कर्मचारियों, कंटीन्जेंसी के कर्मचारी एवं अन्य कर्मचारियों का रुका हुआ वेतन तत्काल देना सुनिश्चित करें, साथ ही किसी भी स्थिति में इन कर्मचारियों का वेतन न रुके। कमिश्नर ने निर्देश दिए की यदि बजट नहीं है तो शासन से प्राथमिकता से बजट का आवंटन मांगा जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की जिन कर्मचारियों को दैनिक उपस्थिति के आधार पर वेतन दिया जाता है उन कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति लगाई जाए। दैनिक उपस्थिति अपडेट रहे। दैनिक उपस्थिति पंजी संधारण के अभाव में किसी भी कर्मचारी का वेतन न रोका जाए। उल्लेखनीय है कि गत दिवस से यह खबरें

प्रमुखता से आ रही थी कि नगर पालिका कर्मचारियों से लेकर पंचायत सचिव, रोजगार सहायको एवं अन्य आउटसोर्स कर्मचारी को तीन से चार माह से वेतन प्राप्त नहीं हुआ है।

इस खबर को गंभीरता से लेते हुए कमिश्नर ने उक्त निर्देश जारी किए हैं। कमिश्नर श्री तिवारी ने सफाई को संस्थागत रूप देने के लिए कार्यालय में स्वच्छता एवं साफ सफाई अभियान प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्यालय में वर्षो से जमा हुआ कबाड़, ई बेस्ट कचरा को नष्ट किया जाए, साथ ही पुराने फर्नीचर टूटे-फूटे आइटम, पुरानी फाइलों को नष्ट किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की आई गाट पोर्टल पर कर्मचारी स्वच्छता एवं सफाई पर आधारित एक न एक विभिन्न कोर्स अनिवार्य रूप से करें। सभी शासकीय कार्य ई ऑफिस सिस्टम से करने के निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि अभी भी कुछ कार्यालय ऑफलाइन कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सीएमएचओ बैतूल एवं नर्मदापुरम के द्वारा शासकीय पत्राचार में पेन से हस्ताक्षर करने पर नाराजगी व्यक्त की एवं निर्देश दिए की सभी पत्रों पर ई साइन या डिजिटल साइन अनिवार्य रूप से किए जाएं। उन्होंने ई अटेंडेंस के क्रियान्वयन की अदतन स्थिति की समीक्षा की। कमिश्नर ने अपर मुख्य सचिव की गत माह हुई बैठक के पालन प्रतिवेदन पर कार्रवाई कर रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सोयाबीन हेतु भावांतर योजना के व्यापक प्रचार प्रसार कर किसानों के पंजीयन की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। बताया गया कि नर्मदापुरम में भावांतर योजना में 4 हजार 800 किसानों ने पंजीयन कराया है। हरदा में 18 हजार किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

राजस्व प्रकरणों को निर्धारित समयावधि के भीतर ही निराकृत कराएं: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अनुभागवार और तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी एसडीएम, तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि सभी गंभीरता के साथ राजस्व कार्यो तथा प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाएं। उन्होंने न्यायालयवार राजस्व प्रकरणों तथा निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि प्रकरण निर्धारित समयावधि के भीतर ही निराकृत किए जाएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण होते ही पोर्टल पर जानकारी दर्ज की जाए तथा आदेश का पालन कराया जाए। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, फार्मर रजिस्ट्री, आरओआर से आधार लिंकिंग, राजस्व वसूली, मासिक पत्रक, समाधान विषयों की विस्तृत समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि चालू राजस्व वर्ष में अभी तक कुल पंजीकृत प्रकरणों की संख्या 42790 है जिनमें से 34992 प्रकरणों का निराकरण हो गया है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण का प्रतिशत 81.78 प्रतिशत है। कलेक्टर द्वारा शेष 7798 प्रकरणों को भी शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि रायसेन उपखण्ड अंतर्गत पंजीकृत कुल 6525 प्रकरणों में से 5080 प्रकरण निराकृत हो गए हैं तथा निराकरण प्रतिशत 77.85 है। इसी प्रकार गैरतगंज उपखण्ड अंतर्गत कुल पंजीकृत 3569 प्रकरणों में से 3028 प्रकरण निराकृत हो गए हैं तथा निराकरण प्रतिशत 84.84 है। बरेली उपखण्ड अंतर्गत कुल 12297 प्रकरणों में से 10708 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 87.08 है। गौहरगंज उपखण्ड अंतर्गत कुल पंजीकृत 7349 प्रकरणों में से 6440 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 87.63 है। उपखण्ड बेगमगंज अंतर्गत कुल पंजीकृत 5781 प्रकरणों में से 5086 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 87.98 है। उपखण्ड सिलवानी अंतर्गत कुल पंजीकृत 3685 प्रकरणों में से 3325 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 90.23 है। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में नामांतरण के कुल 15125 प्रकरणों में से 12699 प्रकरणों का निराकरण हो गया है। इसी प्रकार सीमांकन के कुल 4453 प्रकरणों में से कुल 4298 प्रकरण निराकृत हो गए हैं तथा बंटवारा के कुल 3277 प्रकरणों में से 2671 प्रकरण निराकृत हो गए हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की केवीकेएस के सशक्तिकरण पर उच्चस्तरीय बैठक

छोटे किसानों के हित में मजबूती देना आवश्यक

नईदिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भवन, नई दिल्ली में आज एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को अधिक सशक्त और परिणामकारी बनाने की रणनीतियों पर गहन मंथन हुआ। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि देशभर में वर्तमान में 731 केवीके है, जिनके नेटवर्क का विस्तार करने के साथ ही उन्हें छोटे किसानों के हित में मजबूती देना आवश्यक है। शिवराज सिंह ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र किसानों तक पहुंच के लिए देशभर में कार्यरत

सबसे प्रमुख माध्यम हैं, इनकी भूमिका तकनीकी प्रसार, प्रशिक्षण एवं कृषि नवाचारों को किसानों तक पहुँचाने में है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि केवीके को सरकार की किसान हितैषी नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं को किसानों की भलाई और उनकी जागरूकता के लिए उनके बीच पहुंचाना चाहिए। साथ ही, केवीकेएस इंटीग्रेटेड फार्मिंग और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के दिए मॉडल बनाकर कार्य करें।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने आईसीएआर के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि केवीकेएस की कार्यप्रणाली को सुचारू करने के साथ ही इनकी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए इन्हें समुचित वित्तीय, मानव संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने केवीकेएस में कार्यरत वैज्ञानिकों व कर्मचारियों की योग्यता अनुरूप पदोन्नति और अकादमिक समता सुनिश्चित करने के लिए पहल करने पर भी जोर दिया।

राहतगढ़ सिविल अस्पताल में शीघ्र होगी ब्लड स्टोरेज की सुविधा

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गर्भवती माताओं की शत-प्रतिशत जांच सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी शीघ्र दूर होगी। स्वास्थ्य विभाग में भर्ती प्रक्रिया प्रगतिरत है और शीघ्र ही पर्याप्त चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय स्टाफ की पूर्ति की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सागर जिले के राहतगढ़ सिविल अस्पताल का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में तत्काल ब्लड स्टोरेज फ्रिज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में रक्त की उपलब्धता बनी रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि माह की 9 एवं 25 तारीख को आयोजित होने वाले गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों में शत-प्रतिशत जांच सुनिश्चित की जाए। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता है। हर गर्भवती महिला तक समय पर जांच और उपचार की सुविधा पहुँचे इसके लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करें। उन्होंने अस्पताल में स्वच्छता और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जन-उपयोगी समस्त आवश्यक औषधियों की उपलब्धता हर समय बनी रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही है। टेलीमेडिसिन सेवा से डॉक्टरों की अनुपलब्धता की समस्या काफी हद तक दूर होगी और समय पर इलाज सुनिश्चित किया जा सकेगा।

नाम बदलकर युवती को प्रेम जाल में फांसा, कोर्ट ने सुनाई 3 साल की सजा

पीड़िता पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाता था आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नाम बदल कर युवती को प्रेम जाल में फांसने वाले को कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। आरोपी इमरान खान को अपर सत्र न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी ने सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी के खिलाफ 28 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। आरोपी ने पीड़िता को अपना नाम राज प्रजापति बताकर उससे 21 जुलाई 2016 को शादी कर ली थी। मामला एमपी नगर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने इस मामले में शिकायत 18 फरवरी 2021 को की थी।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसे अपना नाम राज प्रजापति बताया था। जिसके बाद दोनों ने 21 जुलाई 2016 को सलकनपुर मंदिर में शादी कर ली थी और साथ रहने लगे थे। इस दौरान उसको राज की हकीकत पता चली। जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता से उसका सही नाम इमरान बताया।

पीड़िता से 5 लाख रुपए की मांग भी करता था आरोपी–आरोपी पीड़िता से कहता था कि वो इस्लाम धर्म कबूल कर ले। पीड़िता के मना करने पर इमरान उसके साथ मारपीट करता था। आरोपी पीड़िता से 5 लाख रुपए की मांग भी करता था। पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस द्वारा कोर्ट में इमरान नाम से संबंधित दस्तावेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को कोर्ट ने दोषी पाया था।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 4.90 लाख बच्चों को निःशुल्क साइकिल

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष किया 215 करोड़ बजट का प्रावधान

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों के नामांकन दर और शिक्षा गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना में इस शैक्षणिक सत्र में 4 लाख 90 हजार बच्चों को साइकिल का वितरण किया गया है। इस वर्ष विभाग ने योजना के लिये 215 करोड़ रूपये के बजट का प्रावधान किया है।

योजना के माध्यम से उन बच्चों को निःशुल्क साइकिल का लाभ दिया जा रहा है, जिन्होंने कक्षा-5 और कक्षा-8 उत्तीर्ण कर ली है। ऐसे विद्यार्थियों के अगली कक्षा की दूरी मजरे टोले की दूरी 2 किलोमीटर या उसे अधिक की दूरी पर हो उन्हीं बच्चों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। इस योजना में उन बालिकाओं को भी योजना का लाभ दिया जा रहा है जो छात्रावास में रहकर अध्ययन कर रही है। बच्चों को साइकिल की सुविधा स्कूल आने-जाने के लिये प्रदान की गई है। पिछले वर्ष विभाग ने 4 लाख 80 हजार बच्चों को निःशुल्क साइकिल वितरित की थी। लोक शिक्षण संचालनालय ने साइकिल खरीदी की प्रक्रिया जेम पोर्टल के माध्यम से लघु उद्योग निगम की सहयोग से पूरी की है। बच्चों को साइकिल वितरण के लिये संचालनालय में विस्तृत दिशा निर्देश भी जारी किये थे। कक्षा-6 के बच्चों को 18 इंच और कक्षा-9 के विद्यार्थियों को 20 इंच की साइकिल प्रदाय की गई है।

मप्र के दस बाघ जाएंगे ओडिशा राजस्थान और छत्तीसगढ़

राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की मीटिंग में हुआ था फैसला, शिफ्टिंग को लेकर भेजी चिट्ठी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व में स्वच्छंद विचरण कर रहे दस नर और मादा बाघ ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के जंगलों में भेजे जाएंगे। पंद्रह दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में इसकी सहमति दिए जाने के बाद वन विभाग ने इसकी कवायद तेज कर दी है। मध्यप्रदेश के वाइल्ड लाइफ पीसीसीएफ शुभरंजन सेन ने इसको लेकर इन तीनों ही राज्यों को चिट्ठी लिखी है और टाइगर शिफ्टिंग की तैयारियां पूरी करने को कहा है।

वन विभाग के पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ शुभरंजन सेन ने उड़ीसा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को भेजे पत्र में कहा है कि वे अपने यहां एमपी से ट्रांसलोकेट किए जाने वाले नर और मादा टाइगर के लिए बाड़ा बनाने, बाघों की ट्रेकिंग और मानिटरिंग के लिए रेडियो कॉलर लगाने और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर लें ताकि बाघों की शिफ्टिंग होने पर उन्हें अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

एमपी के दस बाघ कान्हा टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और पेंच टाइगर रिजर्व से इन राज्यों में भेजे जाएंगे। इनके लिए उचित रहवास का इंतजाम करना संबंधित राज्य के वन विभाग की जिम्मेदारी होगी।

सीएम ने कहा था, दूसरे राज्यों के वन्य प्राणी भी लाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 सितंबर को राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में कहा था कि दूसरे राज्यों को प्रदेश में उपलब्ध वन्य प्राणी अवश्य दें, परन्तु उनसे भी उनके यहां उपलब्ध वन्य प्राणी प्राप्त कर प्रदेश की वन विविधताओं को और अधिक समृद्ध करें।

मुख्यमंत्री ने आसम से गेंडा या एक सींग वाला गेंडा लाने के प्रयास करने को कहा है। इस बैठक में तीन राज्यों ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को तीन जोड़े टाइगर देने का निर्णय लिया गया था।

राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की 30वीं बैठक में मुख्यमंत्री यादव ने यह भी कहा था कि मध्यप्रदेश में पाई जाने वाली फ्लोरल एंड फौनल डायवर्सिटी (वानस्पतिक एवं जैविक विविधताओं) की प्रॉपर ब्रांडिंग की जाए। प्रदेश के समृद्ध वन क्षेत्रों एवं यहां के वनों में वन्य जीवों की सहज उपलब्धता का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

इन राज्यों में जाएंगे इतने टाइगर

* तीन बाघ ओडिशा के देवरीगढ़ वन्य जीव अभयारण्य में शिफ्ट होंगे। इसमें एक नर बाघ और दो मादा बाघ शामिल होंगे।
* राजस्थान में चार मादा टाइगर भेजे जाएंगे जिसमें रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में 3, मुकुंद्रा टाइगर रिजर्व में एक बाघ शामिल हैं।
* छत्तीसगढ़ के लिए तीन टाइगर भेजे जाना है जिसमें दो नर बाघ और एक मादा बाघ शामिल हैं।

अफसर बोले- भोपाल में किसानों की वजह से धंसी बायपास सड़क

किसानों का जवाब– अपनी गलती हमारे नाम कर रहे; 10 दिन में रिपेयर का दावा

भोपाल (नप्र)। भोपाल बायपास की सड़क का 100 मीटर का हिस्सा फेल सिस्टम की वजह से धंसा है, लेकिन मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अफसर इसे किसानों की गलती बता रहे हैं। जबकि, किसानों का कहना है कि अफसर अपनी लापरवाही छिपाने के लिए आरोप लगा रहे हैं।

हकीकत यह है कि अफसरों ने 4 महीने में सिर्फ एक बार ही निरीक्षण किया। यही वजह है कि ब्रिज के पास भरा पानी जिम्मेदारों को नहीं दिखा। अब जनरल मैनेजर सोनल सिन्हा 10 दिन में धंसे हिस्से को रिपेयर करने का दावा कर रही हैं, लेकिन एक्सपर्ट की माने तो यदि बिना डामर का रास्ता भी बनाया तो इसमें कम से कम 25 दिन लग सकते हैं।

एक्सपर्ट स्ट्रक्चरल इंजीनियर सुयश कुलश्रेष्ठ का कहना है कि 10 दिन में किसी भी हाल में सड़क नहीं सुधर सकती, क्योंकि 100 मीटर लंबा और 20 फीट गहरा गड्ढा है। खेत में पानी भी भरा है। इसे निकालने के लिए रिटेनिंग वॉल भी बनना है। हालांकि, सिर्फ दस दिन में इतना बड़ा हिस्सा ठीक करने के दावे पर जब सिन्हा से बात की गई तो उनका कहना- सड़क पर बड़ा गड्ढा है। यदि भूल से कोई इस दिशा में आ गया तो हादसा होने की संभावना है। इसलिए गड्ढे को इतना भर देंगे कि हादसे का खतरा न रहे। सिन्हा ने माना कि 25 से 30 दिन में ही रिटेनिंग वॉल और पूरी तरह से रिपेयरिंग हो सकेगी। इधर, सड़क धंसने के मुद्दे पर जब विभाग के मंत्री राकेश सिंह से सवाल पूछा तो वे खीज गए। उन्होंने कहा कि सड़कों का औचक निरीक्षण कराते हैं। इस सड़क का भी निरीक्षण कराया था। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

जून में निरीक्षण, इसके बाद नहीं पहुंचे अफसर

मेंटेनेंस नहीं होने से 50 किलोमीटर लंबे बायपास की हालत खस्ता है। करीब 30 किमी का हिस्सा जर्जर है। जगह-जगह गड्ढे हो रहे हैं। जून महीने में एमपीआरडीसी के अफसरों ने निरीक्षण किया। इसके बाद एक बार भी वे सड़क या ब्रिज की हालत देखने नहीं निकले।

गड्ढा भरने का यह प्लान, 400 मीटर लंबी वॉल बनेगी

भोपाल बायपास पर कल्याणपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बना है। यह रेलवे ने बनाया था, जबकि दोनों ओर करीब 400 मीटर रेनफोर्स्ड अर्थ वॉल की सड़क का काम मेसर्स ट्रांसट्रॉय प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) ने किया था। यही रेडफोर्स्ड अर्थ वॉल एक तरफ से 100 मीटर धंसी है। इसे भरने के लिए अफसर प्लान तैयार कर रहे हैं। बुधवार को करीब 20 इंजीनियरों की टीम मौके पर पहुंची और प्लान बनाया। प्लान के मुताबिक, जिस जगह सड़क धंसी, उसके पास भी खतरा बना हुआ है। रिटेनिंग वॉल भी झुक रही है। इसलिए करीब 400 मीटर लंबी रिटेनिंग वॉल तैयार की जाएगी। यह करीब 8 मीटर ऊंची होगी। इसके बाद इसमें मुर्रम, मिट्टी और गिट्टी भरी जाएगी। बुधवार को किसानों से चर्चा के बाद खेत में रास्ता बनाया गया। ताकि, काम करने में आसानी हो सके। काम करने के लिए किसानों से जमीन भी ली गई है।

दूसरी ओर, सड़क धंसने के बाद अफसर जागे और सड़क की रिपेयरिंग शुरू करा दी गई। विदिशा रोड चौराहा, आशाराम चौराहा, कान्हासैया, ट्रांसपोर्ट नगर, कोकता, मिसरोद की तरफ सड़कों पर डामर बिछाया जा रहा है। बता दें कि कई जगहों पर सड़क पर एक से डेढ़ फीट तक के गड्ढे हो चुके हैं। इस वजह से वाहन चालकों को गुजरने में दिक्कतें होती हैं। ब्रिज से जुड़ी सड़क का हिस्सा धंसने के बाद एमपीआरडीसी को बाकी जर्जर हिस्से की याद आई। 50 किमी हिस्से में जहां सड़क खस्ता है, उसे सुधरवाने का काम शुरू किया गया है।

जिम्मेदारी तय करने के लिए 7 दिन

इधर, मामले की जांच और जिम्मेदारी तय करने के लिए एमपीआरडीसी ने एक टीम बनाई है, जो सात दिन में रिपोर्ट देगी। टीम में चीफ इंजीनियर बीएस मीणा, जनरल मैनेजर मनोज गुप्ता और आरएस चंदेल शामिल हैं। सवाल यह उठता है कि जब पहले से बायपास को लेकर सबकी जिम्मेदारी तय है तो फिर जांच में इतना समय क्यों?

तीन साल की मासूम की नाना के घर मौत

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में नाना-नानी के घर आई तीन साल की मासूम की बाथरूम में गिरने के कारण मौत हो गई। घटना बुधवार रात की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को पोस्टमार्ट्म (पीएम) के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि आयशा निर्मलकर (3) अपने माता-पिता के साथ रायपुर छत्तीसगढ़ में रहती थी। उसके पिता रायपुर में प्राइवेट काम करते हैं। पिछले दिनों वह अब्बास नगर में रहने वाले अपने नाना-नानी के घर आई थी। बुधवार सुबह आयशा बाथरूम गई और वहां फिसल कर गिर गई। उसके सिर में पीछे की तरफ गंभीर चोट आई थी। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नवजात की मौत, चाचा मुंह से ऑक्सीजन देकर जगाते रहे

परिजन का आरोप– बंगाली डॉक्टर ने गलत दवा दी; तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाए

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर जिला अस्पताल में 20 दिन के नवजात की मौत हो जाने पर परिजन उसे मुंह से ऑक्सीजन देने लगे। रोते-बिलखते नवजात को होश में लाने की कोशिश करते रहे। ये देख वहां मौजूद हर किसी आंखें नम हो गई। परिजन का आरोप है कि बच्चे की मौत गलत इलाज से हुई है। तबीयत बिगड़ने पर वे बच्चे को बंगाली डॉक्टर के पास ले गए थे। आरोप है कि बंगाली डॉक्टर ने गलत दवा दे दी। हालत बिगड़ने पर बच्चे को जिला अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जुकाम होने पर बंगाली डॉक्टर के पास ले गए थे

लखरावन गांव के रहने वाले भारत अहिरवार ने बताया, 20 दिन के भतीजे को दो दिन से हल्का बुखार और जुकाम था। गुरुवार सुबह बच्चे की मां शिवकुमारी उसे इलाज के लिए कोटा इलाके में एक बंगाली डॉक्टर के पास ले गई। डॉक्टर के दवा देने के कुछ देर बाद ही बच्चे की हालत बिगड़ने लगी।

निजी अस्पताल ने इलाज से किया इनकार

हालत बिगड़ने पर परिजन तुरंत बच्चे को बाइक से एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने इलाज करने से मना कर दिया। इसके बाद वे जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉ. अभय सिंह ने जांच के बाद नवजात को मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमॉर्टम से पता चलेगा मौत का कारण

जिला अस्पताल के डॉ. अभय सिंह ने बताया कि नवजात को बेहद गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। इस मामले में सीएमएचओ आर.पी. गुप्ता से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

पैर धोने वाले से कांग्रेस विधायक बोले-अब गंदगी खा लेना

दमोह पैर धुलाई कांड में पीड़ित के परिजन से बातचीत का वीडियो; बीजेपी बोली- ये ओबीसी का अपमान

दमोह (नप्र)। दमोह में सतरिया गांव के पैर धुलाई कांड में एक नया वीडियो सामने आया है। इसमें कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा पीड़ित युवक के चाचा से मानव मल खाने की बात कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। इसे बीजेपी ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का अपमान बताया है। वहीं, विधायक कुशवाहा ने कहा है कि उन्हें नहीं पता, किसने क्या वीडियो बनाकर वायरल किया है। कुशवाहा ने दावा किया कि उन्होंने युवक के चाचा के कान में कहा था, तुम डरो नहीं, हम सब तुम्हारे साथ हैं।

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे कांग्रेस विधायक

दरअसल, बीते मंगलवार को कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर पीड़ित युवक से मिलने गया था। इसमें सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, दतिया विधायक फूलसिंह बरैया और जबलपुर के पूर्व विधायक विनय सक्सेना शामिल थे। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित युवक के परिजन से बातचीत की। पूछा कि क्या उन्हें कोई डरा-धमका रहा है। इस पर युवक के चाचा ने कहा कि उन्हें कोई धमकी नहीं मिली है। इस घटनाक्रम में किसी की गलती नहीं है। यह सुनकर विधायक कुशवाहा चाचा के पास आकर बोले, अगली बार गंदगी (मानव मल) खा लेना। उन्होंने यह शब्द दोहराए और चाचा को आगे बढ़ा दिया। मौके पर मौजूद किसी शख्स ने इसका वीडियो बना लिया। बाद में इसे सोशल मीडिया पर डाल दिया।

बीजेपी बोली– जीतू पटवारी, राहुल गांधी माफी मांगें

वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा- यह कांग्रेस की असंवेदनशीलता है। इसका प्रमाण वीडियो में स्पष्ट नजर आता है। कांग्रेस विधायक पीड़ित परिवार का मल खाने जैसे अपमानजनक शब्दों से तिरस्कार कर रहे हैं। डॉ. मोहन यादव की सरकार उन्हें न्याय दिला रही है और कांग्रेस उनके जख्मों पर नमक छिड़क रही है। जीतू पटवारी, राहुल गांधी को ओबीसी समाज के अपमान पर माफी मांगनी चाहिए।

चाचा ने कुछ भी बोलने से किया इनकार

पीड़ित युवक के चाचा से विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा के शब्दों पर प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि उन्हें कोई धमका या डरा नहीं रहा है। वे बेवजह किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते।

कांग्रेस ने वीडियो को एडिटेड बताया

वहीं, कांग्रेस ने इस वीडियो को एडिटेड बताते हुए बीजेपी पर पलटवार किया है। पार्टी के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल ने कहा- ओबीसी की भलाई के लिए बीजेपी कुछ नहीं कर रही, उल्टा हम पर आरोप लगा रही है। सरकार ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। जो हुआ, कोर्ट के आदेश पर हुआ। जनता को पता चल चुका है कि बीजेपी पिछड़ा वर्ग की हिमायती नहीं है।

युवक के पैर धुलवाने का वीडियो हुआ था वायरल

दरअसल, दमोह के सतरिया गांव में मीम पोस्ट को लेकर हुए विवाद में एक युवक से दूसरे युवक के पैर धुलवाए गए थे। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। सतरिया गांव में पंचायत ने शराबबंदी लागू की है। कुछ दिन पहले गांव का अनुज उर्फ अन्नू पांडे शराब बेचते और पीते पकड़ा गया था। गांव के ही दूसरे युवक ने अन्नू का एआई जेनरेटेड वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो जूते की माला पहना नजर आ रहा था। इस पर गांव के कुछ लोग आक्रोशित हो गए थे। विवाद बढ़ता देख युवक ने पोस्ट डिलीट कर दी। सार्वजनिक रूप से माफी भी मांग ली, लेकिन बात नहीं बनी।

10 अक्टूबर को पंचायत बुलाई गई। वीडियो शेयर करने वाले युवक से सवाल-जवाब हुए। उसे शराब बेचने वाले युवक अन्नू के पैर धोकर, वही पानी पीने की सजा सुनाई गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक ने भरी सभा में अन्नू के पैर धोए, फिर वही पानी पीया था।